RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः01 , मंगलवार, 10 फरवरी 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

राष्ट्रपति सम्मान के बाद जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल को भाजपा महिला मोर्चा ने किया ... 03

युवाओं को सीधे रोजगार उपलब्ध कराना ही राष्ट्र निर्माण : प्रेम कुमार 04

चाहत पांडे ने ओटीटी की दुनिया में रखा कदम, हसरतें सीजन 3 में... 07

हेल्थकेयर के क्षेत्र में भारत की बड़ी उपलब्धि

- एम्स दिल्ली बना दुनिया का छठा सर्वश्रेष्ठ अस्पताल
- महाराष्ट्र का टाटा मेमोरियल मुंबई 13वें स्थान पर रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के हेल्थकेयर सेक्टर के लिए यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) दिल्ली को ब्रांड फाइनेंस की ग्लोबल टॉप 250 हॉस्पिटल रैंकिंग 2026 में दुनिया का छठा सर्वश्रेष्ठ अस्पताल घोषित किया गया है। इस उपलब्धि के साथ एम्स ने अमेरिका के जॉन्स हॉपकिंस मेडिसिन, ब्रिटेन के ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल्स और मायो क्लिनिक जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के बीच अपनी सशक्त पहचान दर्ज कराई है। रिपोर्ट के मुताबिक, एम्स को केयर परसेप्शन, ब्रांड वैल्यू, ब्रांड स्ट्रेंथ और वैश्विक प्रतिष्ठा जैसे पैमानों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के

आधार पर यह स्थान मिला है। खास बात यह रही कि एम्स का केयर स्कोर टॉप रैंक वाले अस्पताल से महज 1.1 अंक कम रहा, जो सीमित संसाधनों के बावजूद इसकी गुणवत्ता और भरोसे को दर्शाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि एक सरकारी संस्थान का दुनिया के टॉप 10 में शामिल होना भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था की वैश्विक साख को नई ऊंचाई देता है। एम्स दिल्ली देश का प्रमुख तृतीयक स्वास्थ्य संस्थान है, जहां हर साल लाखों मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं। यहां अत्याधुनिक चिकित्सा सेवाएं, सुपर स्पेशियलिटी ट्रेनिंग और सैकड़ों शोध परियोजनाएं संचालित होती हैं।

चंद्रयान-4 को लेकर इसरो को मिली बड़ी सफलता

- बहुत जल्द धरती पर वापस लौटेगा भारत का यह मिशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। चंद्रयान-4 मिशन को लेकर इसरो को बड़ी सफलता हाथ लगी है। इसरो के स्पेस ऐप्लिकेशन सेंटर ने अब तक के सबसे कठिन मून मिशन के लिए लैंडिंग की जगह खोज ली है। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लगभग 1 वर्ग किलोमीटर का पैच है जहां चंद्रयान-4 की सफल लैंडिंग करवाई जा सकती है। बता दें कि यह इसरो का पहला रिटर्न मिशन होगा। यानी चंद्रयान-4 को वापस धरती पर भी लाना है। चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर से भजी गई हाई रिजोल्यूशन

तस्वीरों से इस जगह को खोजा है जहां चंद्रयान-4 को उतारा जा सकता है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक यह पूरा अध्ययन अमिताभ के सुरेश, अजय के पाराशर, कनन वी अय्यर, अब्दुल एस, श्वेता वर्मा त्रिवेदी और नितांत दुबे ने की है। इस मिशन में प्रोपल्सन मॉड्यूल के अलावा डिसेंटर और असेंडर मॉड्यूल भी होंगे। इसके अलावा ट्रांसफर मॉड्यूल और रीएंट्री मॉड्यूल भी काम करेगा। यह मिशन भारत के लिए बहुत खास होने वाला है। इसका उद्देश्य चंद्रमा पर लैंडिंग करके मिट्टी और पत्थरों के सैंपल इकट्ठे करना था।

टेक्नोलॉजी का गुलाम न बनें

- तकनीक से क्षमता को विकसित करें

परीक्षा पे चर्चा,पीएम मोदी बोले-पढ़ने के साथ लिखकर प्रैक्टिस करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को परीक्षा पे चर्चा के 9वें एडिशन के दूसरे एपिसोड में देशभर से आए छात्रों से मुलाकात की। पीएम मोदी कोयंबटूर से छत्तीसगढ़ पहुंचे और बच्चों से बात की। इसके बाद पीएम गुवाहाटी के अष्टलक्ष्मी पहुंचे। पीएम ने कहा कि कभी भी टेक्नोलॉजी का गुलाम नहीं बनना चाहिए। टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल क्षमता बढ़ाने में करें। दूसरे एपिसोड में पीएम मोदी ने बच्चों को पढ़ने के साथ, लिखकर प्रैक्टिस करने की सलाह दी। साथ ही बच्चों से कहा कि पहले निडर बनो फिर लीडर बन जाओगे। पीएम ने छात्रों को पढ़ाई में कमजोर क्लासमेट्स की मदद करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि छात्रों को उनसे दोस्ती करनी चाहिए और उन्हें टॉपिक समझाने चाहिए। दूसरों को पढ़ाने से

खुद भी बेहतर सीखने में मदद मिलती है। **पहले निडर बनो, फिर लीडर बनो** - पहले निडर बनो, जो काम है, मन में तय करो कि कोई ओर करे या ना करे मैं करूंगा। जब आप ऐसा सोचना शुरू कर देंगे, तो आप देखेंगे कि आपमेंलीडरशिप क्वालिटी डेवलप हो जाएगी।

- **आप पेपर सॉल्व करने की आदत डालें-** आप पुरानी परीक्षा के दिनों को याद कीजिए। जब आप पुरानी परीक्षाओं को याद करेंगे, तो आपको लगेगा उस समय भी तनाव था, लेकिन जब वह परीक्षा देकर आ गया, तो कुछ नहीं था। ऐसा होता है ना। परीक्षा के लिए सबसे अच्छी चीज होती है कि आप पेपर सॉल्व करने की आदत डालें। लिखने की आदत डालें। अगर खुद आप इस तरह से प्रैक्टिस करते रहेंगे तो आपको कभी तनाव नहीं होगा। आप वेकेशन पर जा रहे हैं, तो पहले अपनी तहसील में देखें कहां जा सकते हैं, फिर जिला, फिर राज्य। कहने का मतलब ये है कि आप जहां भी घूमें एक स्टूडेंट की नजर से घूमें ताकि आप लगातार कुछ सीख सकें।

कुलदीप सेंगर को सुप्रीम कोर्ट से तगड़ा झटका

उन्नाव रेप केस में जमानत देने से कर दिया इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। उन्नाव रेप केस में दोषी ठहराए गए और सजा काट रहे बीजेपी के पूर्व विधायक कुलदीप सेंगर को सुप्रीम कोर्ट से तगड़ा झटका लगा है। टॉप कोर्ट ने सेंगर को जमानत देने से इनकार कर दिया है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा आदेश देते हुए पूर्व बीजेपी एसएलए के खिलाफ मामले को फास्ट ट्रैक करने का निर्देश भी दिया है। इस केस में सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट को तीन महीने में अपील पर फैसला करने को कहा है। गौरतलब है कि सेंगर ने सुप्रीम कोर्ट मे जमानत याचिका दाखिल की थी। सेंगर की तरफ से कोर्ट में दलील दी गई कि उसे 10 साल की सजा हुई थी।+

तय समय में ही खत्म होगा नक्सलवाद

- शाह ने कहा-बस्तर की पहचान बारूद नहीं,संस्कृति है

बस्तर पंडुम में कहा-यह सबसे विकसित संभाग बनेगा

जगदलपुर (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि बस्तर की पहचान बारूद से नहीं, बल्कि उसकी समृद्ध संस्कृति से है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद का तेजी से सफाया हो रहा है और सरेंडर करने वाले नक्सलियों को कोई आंच नहीं आएगी। लेकिन स्कूल और अस्पताल जलाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। तय समय में नक्सलवाद खत्म होगा। शाह ने भरोसा दिलाया कि बस्तर को प्रदेश का सबसे विकसित संभाग बनाया जाएगा। उन्होंने ये बातें जगदलपुर के लालबाग मैदान में आयोजित बस्तर पंडुम के मंच से कही। इससे पहले स्वागत के दौरान उन्हें कौड़ी की माला और पारंपरिक पगड़ी पहनाई गई। जगलपुर के लालबाग मैदान में आयोजित बस्तर पंडुम का समापन हो गया है। मंच से शाह ने चेतावनी दी है कि नक्सली हथियार डाले,नहीं उनकी भाषा में जवाब दिया जाएगा।

- **जवानों के साहस-संकल्प से बदल रही बस्तर की तस्वीर-** छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में 45 वर्षों से अधिक समय तक नक्सलवाद का प्रभाव रहा। बस्तर का क्षेत्रफल केरल राज्य से भी बड़ा है। लाल आतंकवाद के कारण यहां के लोगों को लंबे समय तक बुनियादी सुविधाएं नहीं मिल पाई। लेकिन गृह मंत्री की दृढ़ इच्छाशक्ति और ठोस रणनीति के चलते मात्र दो वर्षों में यहां शांति स्थापित हुई है। गृह मंत्री का हमारे बीच होना बस्तर के लिए ऐतिहासिक क्षण है। बस्तर पंडुम, बस्तर की संस्कृति और पहचान का प्रतीक है। एक समय था जब यह विश्वास करना कठिन था कि बस्तर से नक्सलवाद कभी समाप्त होगा।

स्पीकर ने कमिट किया क्या आप बोलने देंगे

- लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने किया सवाल,
- रिजिजु ने कहा-कोई कमिटमेंट नहीं, लोकसभा स्थगित
- विपक्ष स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव ला सकता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। बजट सत्र के 9 वें दिन लोकसभा की कार्यवाही केवल 13 मिनट ही चल पाई। विपक्ष सदन में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बोलने देने की मांग कर रहा है। राहुल गांधी ने लोकसभा में कहा कि 1 घंटा पहले स्पीकर के पास हम गए, स्पीकर ने हमें कमिट किया कि मुझे बजट डिस्कशन से पहले बोलने दिए जाएगा, आप मुझे बोलने नहीं दे रही हैं। मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि आप मुझे बोलने देंगी या नहीं। 3 बजे जब सदन की कार्यवाही शुरू हुई तो आसंदी (स्पीकर की चेयर) पर संध्या राय (भाजपा सांसद) बैठी थीं। राहुल की बात के जवाब में संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि मैं भी स्पीकर के केबिन में मौजूद था। ऐसा कोई कमिटनमेंट नहीं किया गया। संध्या ने राहुल से कहा कि आपकी तरफ से किसी और मुद्दे के लिए कोई नोटिस नहीं आया है, बजट पर चर्चा करनी हो तो बताएं। इसके बाद विपक्ष ने हंगामा किया। इसके बाद लोकसभा की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए कार्यवाही स्थगित कर दी गई। वहीं, विपक्ष लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव ला सकता है। न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से ये जानकारी दी है। यह प्रस्ताव पेश करने के लिए कम से कम 50 सांसदों का समर्थन जरूरी होता है।

बारामती प्लेन क्रैश के बाद ऐक्शन में सरकार

- 400 से ज्यादा हवाई पट्टियों की जांच हुई शुरू

बारामती (एजेंसी)। बारामती प्लेन क्रैश के बाद सरकार ने देशभर की 400 से ज्यादा अनियंत्रित हवाई पट्टियों को लेकर जांच शुरू की है। सरकार का प्लान है कि इन हवाई पट्टियों को लेकर एकीकृत नियम बनाए जाएं और इसकी देखरेख डीजीसीए और राज्य सरकार के तहत हो। जांच में पता लगाया जाएगा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर, संचार सुविधा और अग्निशमन को लेकर कितनी तैयारी है। इसके अलावा स्थानीय प्रशासन के साथ हवाई पट्टी का प्रबंधन करने वाले किस तरह संपर्क साधते हैं। 28 जनवरी को बारामती में एक प्लेन क्रैश हो गया था जिसमें महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की मौत हो गई थी। डीजीसीए ने इसके बाद एयरपोर्ट्स पर सेफ्टी प्रोटोकॉल्स में सुधार की कवायद शुरू कर दी है।

वहीं इस तरह की हवाई पट्टियों पर एयर ट्रैफिक कंट्रोल की भी सुविधा उपलब्ध नहीं रहती है। ये हवाई पट्टियां या तो राज्य सरकारों के अंडर में हैं या फिर फ्लाइट ट्रेनिंग संगठनों और प्राइवेट संचालकों की हैं।

हो जाइए तैयार! एक बार फिर लौटेगी कंपकंपाने वाली ठंड

कहीं बर्फबारी तो कहीं बारिश का अलर्ट,कोहरे की भी चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)।। देशभर में एक बार फिर मौमस करवट बदलने की तैयारी में है। फरवरी की शुरुआत में जहां ठंड में हल्की सी राहत मिली थी, वहीं अब एक बार फिर कंपकंपाने वाली हवाओं के चलने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, आज यानी 10 फरवरी से कई राज्यों में मौसम बदल सकता है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुबातिक, आज पूर्वी यूपी और उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में बहुत घना कोहरा छाया रह सकता है। उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में शीतलहर भी चलेगी। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में कुछ जगहों पर हल्की बारिश के साथ बर्फबारी होगी।

- **उत्तर-पश्चिम भारत का तापमान-** अगर बात करें तापमान की तो तापमान में कोई खास उतार-चढ़ाव देखने को नहीं मिलेगा। अगले 2 दिनों में उत्तर-पश्चिम भारत में न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे लगभग 2 डिग्री की बढ़ोतरी हो सकती है, उसके बाद के 2 दिनों में धीरे-धीरे लगभग 2 डिग्री की गिरावट हो सकती है और उसके बाद के 3 दिनों में बदलाव नहीं होगा।

बिहार बजट सत्र में दरभंगा रेप-मर्डर कांड पर बवाल

- राबड़ी देवी के नेतृत्व में महिला विधायकों ने किया प्रदर्शन

पटना (एजेंसी)। बिहार के दरभंगा में एक छह साल की बच्ची के साथ हैवानियत की वारदात पर विधानमंडल के बजट सत्र में हंगामा हुआ। विधानसभा के पोर्टिको में विपक्षी सदस्यों ने पोस्टर लहराए तो विधान परिषद में सीएम नीतिश कुमार और नेता विरोधि दल राबड़ी देवी आमने-सामने आ गए। शोर शराब बढ़ता देख सदन की कार्यवाही को दोपहर ढाई बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। रबड़ी देवी के नेतृत्व में महिला विधायकों ने सदन के बाहर प्रदर्शन भी किया। दरभंगा में शनिवार की रात एक छह साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म करके हत्या कर दी गयी। रविवार को बिहार भारी हंगामा, पत्थरबाजी और लाठीचार्ज का गवाह बना। महिला विधायकों ने आरोप लगाया कि राज्य में बेटियों के साथ अत्याचार हो रहा है।

विदेशी धरती पर करनाल के युवक की आखिरी विदाई

- 7 महीने पहले एक्सीडेंट में मौत,डीएनए से हुई पहचान
- मिलान के बाद मिली बॉडी

करनाल (एजेंसी)। नियति का क्रूर खेल देखिए कि जिस बेटे को सुनहरे भविष्य के लिए सात समंदर पार भेजा था, उसका चेहरा देखना भी नसीब नहीं हुआ। अमेरिका के कैलीफोर्निया में सड़क हादसे का शिकार हुए करनाल के कोयर गांव के 22 वर्षीय विशाल का 7 महीने के लंबे इंतजार के बाद आखिरकार अंतिम संस्कार कर दिया गया। हादसे में उसका शरीर पूरी तरह से जल गयसा था। डीएनए मैच होने के बाद विशाल को हिंदू रीति-रिवाज से विदा किया गया। अमेरिका के कैलीफोर्निया में 23 जून 2025 की रात को सड़क हादसे में हरियाणा के दो दोस्तों की मौत हो गई थी। जिसमें कोयर गांव का विशाल और कैथल के सिरसल गांव का अरुण जांगड़ा उर्फ रोमी शामिल थे। हादसा उस वक्त हुआ, जब दोनों युवक अपनी जगुआर कार से घूमने जा रहे थे। कार की रफ्तार तेज थी, जो बेकाबू होकर पलट गई। फिर पलटी खाते हुए सामने से आ रहे ट्रक से जा टकराई। ट्रक से टक्कर लगते ही कार में आग लग गई, जिसमें दोनों युवक जिंदा जल गए। सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस और फायर ब्रिगेड ने किसी तरह आग पर काबू पाया। इसके बाद दोनों को निकालकर हॉस्पिटल पहुंचाया गया, लेकिन तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। अमेरिका के हिसाब से 7 फरवरी और इंडिया के हिसाब से 8 फरवरी को 7 महीने बाद अमेरिका में ही विशाल का अंतिम संस्कार हुआ।

महाराष्ट्र में बीजेपी को फिर से मिली खुशखबरी

- जिला परिषद चुनाव में लहराया परचम,विपक्ष पस्त

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में नगर निकाय चुनावों में बड़ी जीत हासिल करने के बाद भाजपा ने एक बार फिर से परचम लहराया है। भाजपा को जिला परिषद चुनावों में 145 सीटों पर बढ़त मिली है। इसके अलावा एकनाथ शिंदे की शिवसेना 85 और अजित पवार की एनसीपी 80 सीटों पर आगे है। राज्य में कुल 731 जिला परिषद और 1462 पंचायत समिति के लिए रविवार को मतदान हुआ था। इसमें करीब 2 करोड़ वोटर शामिल हुए थे। पहले ये चुनाव 5 फरवरी को ही होने वाले थे, लेकिन डिप्टी सीएम अजित पवार के निधन के चलते इन्हें टाल दिया गया था और फिर 8 फरवरी को ही मतदान हुआ और आज नतीजे आ गए हैं। अब तक मिली जानकारी के अनुसार भाजपा को सांगली, सतारा और पनवेल जैसे इलाकों में बढ़त मिली है। वहीं अजित पवार के गढ़ बारामती में एनसीपी काफी आगे है। माना जा रहा है कि एनसीपी को अजित पवार के निधन के चलते सहानुभूति लहर का फायदा मिला होगा। अजित पवार को पुणे और मराठवाड़ा क्षेत्र के बड़े नेताओं में गिना जाता था। उनकी इस इलाके में अच्छी पकड़ रही है। ऐसे में उनकी निधन के चलते सहानुभूति की लहर पैदा होने की बात भी की जा रही है। जिला परिषद की कुल 731 सीटों के चुनाव में भाजपा सबसे आगे है। उसके सहयोगी शिवसेना और एनसीपी दूसरे और तीसरे नंबर पर हैं। वहीं विधानसभा चुनाव के बाद से ही निराशा झेल रहे विपक्ष को एक बार फिर झटका लगा है।

- **सोलापुर और पुणे में एनसीपी आगे,सहानुभूति की दिखी लहर-** सोलापुर में एनसीपी अब तक 24 सीटों पर आगे है। इसके अलावा पुणे में भी उसे बढ़त हासिल हुई है। सोलापुर में कांग्रेस का अब तक खाता भी नहीं खुल पाया है। अब सतारा की बात करें तो भाजपा को यहां 32 सीटों पर बढ़त है। इसके अलावा एनसीपी को 17 और शिवसेना को 10 सीटों पर बढ़त हासिल है।

संक्षिप्त समाचार

तेजप्रताप ने जिसे जयचंद बताया, उसके साथ कोर्ट पहुंचे तेजस्वी, सुनील को तेजप्रताप ने दी चेतावनी

पटना। लैंड फॉर जॉब केस मामले में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव सोमवार को दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट पहुंचे। इस दौरान उनके साथ रमीज नेमत भी मौजूद रहे। तेजप्रताप ने रविवार को पहली बार पांचों जयचंदों के नाम लिए थे, इसमें रमीज का भी नाम है। इधर, तेज प्रताप यादव ने सोमवार को दोबारा प्रेस कॉन्फ्रेंस की और RJD नेता और राबड़ी देवी के मुंह बोले भाई सुनील सिंह पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सुनील सिंह ने राजद को खोखला कर दिया है। तेजप्रताप ने कहा, 'सुनील सिंह को यह बात समझ लेनी चाहिए कि वो कभी मेरे चेला हुआ करते थे। मेरे पीछे-पीछे घूमते थे।' तेजप्रताप ने चेतावनी भरे लहजे में कहा, 'सुनील सिंह अपनी वाणी पर संयम रखें, नहीं तो सुधार देंगे।' प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान तेजप्रताप ने सुनील सिंह पर भी रोहिणी आचार्य का अपमान करने का आरोप लगाया। साथ ही कहा, 'ऐसे लोगों ने मेरे पिता लालू यादव को बर्बाद कर दिया और अब पार्टी में मेरे पिता की भी नहीं चलती।'

7 शहरों में घना कोहरा,लो विजिबिलिटी से दरभंगा में हादसा

पटना। बिहार के 5 जिलों में आज कोहरे का यलो अलर्ट जारी किया गया है। समस्तीपुर, गोपालगंज, सुपौल, बगहा, मधुबनी और मुजफ्फरपुर में सुबह-सुबह घना कोहरा देखने को मिल रहा है। यहां जीरो विजिबिलिटी है। लोगों को गाड़ी की लाइट चालू कर के चलना पड़ रहा है। वहीं दरभंगा के NH-527 B पर घना कोहरा है। लो विजिबिलिटी के कारण ट्रक और ई-रिक्शा में टक्कर हो गई, जिसमें 2 लोग घायल हो गए। अगले कुछ दिनों तक बिहार में मौसम शुष्क रहेगा और धीरे-धीरे तापमान बढ़ने की संभावना है। प्रदेश में फिलहाल बारिश की संभावना कम है।। सुबह-शाम ठंड महसूस होगी। दिन में धूप निकलने से मौसम सामान्य रहेगा। तापमान में 1-3 डिग्री तक उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। हाल के दिनों में राज्य के कई हिस्सों में घना कोहरा देखने को मिला था। कुछ स्थानों पर विजिबिलिटी बेहद कम दर्ज की गई थी। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार सर्दियों में कोहरा बनने की मुख्य वजह ठंडी हवा, नमी और हवा की रफ्तार कम होना है। जब रात में जमीन ठंडी हो जाती है और हवा में नमी ज्यादा होती है तो छोटे-छोटे पानी के कण जमा होकर कोहरे बनते हैं। बिहार जैसे गंगा मैदानी इलाकों में ये स्थिति ज्यादा बनती है, क्योंकि यहां नमी अधिक रहती है। हवा की गति कई बार धीमी हो जाती है। इसके अलावा पश्चिमी विक्षोभ (Western Disturbance) और पछुआ हवाओं का असर भी तापमान को नीचे लाता है, जिससे सुबह के समय कोहरा ज्यादा घना हो जाता है। मौसम वैज्ञानिक बताते हैं कि आसमान साफ रहने पर भी सुबह कोहरा बन सकता है, क्योंकि रात में जमीन तेजी से ठंडी होती है।

12 फरवरी को पटना की सफाई व्यवस्था रहेगी ठप, पटना नगर निगम के कर्मी जाएंगे हड़ताल पर

पटना। पटना की सफाई व्यवस्था 12 फरवरी को ठप रहेगी। पटना नगर निगम के कर्मी हड़ताल पर जाने वाले हैं। 44 श्रम कानूनों को समाप्त कर 4 श्रम कोड लागू किए जाने के विरोध में 12 फरवरी को केंद्रीय श्रमिक संगठनों के राष्ट्रीय हड़ताल बुलाया है। पटना निगम कर्मियों ने इस हड़ताल को नैतिक समर्थन देने का सर्वसम्मति से फैसला लिया है। काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज कराने का फैसला लिया गया है। पटना नगर निगम के कर्मी अदालतगंज से प्रदर्शन करते हुए डाकबंगला तक जाएंगे। पटना नगर निगम चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार ने कहा कि, 44 श्रम कोड जो मजदूर के पक्ष में बना हुआ था, उसे खत्म कर 4 श्रम कोड को मालिक के पक्ष में बनाया गया है। इसी के खिलाफ हम लोग हड़ताल करेंगे। यह लेबर कोड मालिक के पक्ष में और मजदूर विरोधी है। इसके लागू हो जाने के बाद मजदूर अपने अधिकारों के लिए लड़ नहीं सकता है।

11 फरवरी को निकाला जाएगा विरोध मार्चः इस हड़ताल को सफल बनाने के लिए 11 फरवरी को विरोध मार्च निकाला जाएगा। रामवतार शास्त्री गोलंबर, राजेंद्र नगर से लोहिया पार्क, कंकड़बाग तक जुलूस निकलेगा। इसके साथ ही दैनिक मजदूरों के लिए समान काम के बदले समान वेतन की मांग को लेकर गठित कमेटी की नगर विकास विभाग में बैठक बुलाने की भी योजना की जा रही है। वहीं, आउटसोर्स एजेंसियों द्वारा कर्मियों के शोषण, बायोमीट्रिक हाजिरी में गड़बड़ी कर वेतन कटौती और वाहनों की मरम्मत लागत चालकों से वसूले जाने को लेकर भी विरोध जताया जाएगा।

अनुपस्थित अधिकारियों पर होगी कार्रवाई-डीएम, हाजीपुर परिवहन कार्यालय में डीएम का औचक निरीक्षण

हाजीपुर। वैशाली। हाजीपुर जिला परिवहन कार्यालय में डीएम वर्षा सिंह ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान एक दलाल को पकड़ा गया और उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। निरीक्षण के समय डीटीओ कार्यालय में मौजूद थे, जबकि एडीटीओ और एमवीआई अधिकारी समेत कई कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। डीएम ने बताया कि कार्यालय में लगातार मिल रही शिकायतों के बाद यह निरीक्षण किया गया। शिकायतें थीं कि अनाधिकृत व्यक्ति जिला परिवहन कार्यालय में प्रवेश करते हैं और ड्राइविंग लाइसेंस तथा आरसी से संबंधित मामलों में डील करते हैं। इसी क्रम में आज यह औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पकड़े गए दलाल के मोबाइल में सभी सबूत देखे गए, जिससे पता चला कि वह बाहर से लोगों के साथ किस प्रकार डील कर रहा था। सदर थाना की पुलिस भी मौके पर पहुंची है और दलाल के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है। अनुपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों के संबंध में डीएम ने कहा कि जब जांच शुरू हुई, तब केवल डीटीओ ही उपस्थित थे। एडीटीओ और एमवीआई समेत कोई अन्य पदाधिकारी मौजूद नहीं था। जो भी पदाधिकारी और कर्मी अनुपस्थित पाए गए हैं, उन पर कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने यह भी बताया कि सभी के कार्य आवंटन और लंबित कार्यों की जांच की जा रही है। अधिकारियों से लंबित कार्यों के संबंध में स्पष्टीकरण मांगा जाएगा। जांच टीम अभी भी कार्यालय में मौजूद है और लगभग दो घंटे तक जांच जारी रहेगी, जिसके लिए कार्यालय का गेट बंद रखा गया है। गिरफ्तार व्यक्ति के मोबाइल में मिली अवैध बातचीत और पैसे के लेन-देन के प्रमाण के आधार पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यदि जांच में यह पाया जाता है कि सरकारी अधिकारी या कर्मचारियों द्वारा जानबूझकर कार्यों में देरी की जा रही थी या वे इस मामले में संलिप्त थे, तो उन पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

थानाध्यक्ष ने रेस्टोरेंट संचालक को पीटा, जांच जारी

हाजीपुर। वैशाली के लालगंज थाना क्षेत्र में एक रेस्टोरेंट संचालक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि लालगंज थानाध्यक्ष मनमोहन कुमार ने देर रात रेस्टोरेंट संचालक रणजीत कुमार को पीटा। यह घटना बाईपास रोड स्थित वेलकम फैमिली रेस्टोरेंट एंड ढाबा में हुई, जिसका वीडियो सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। रेस्टोरेंट संचालक रणजीत कुमार ने बताया कि रविवार रात चार से पांच अज्ञात लोग उनके ढाबे पर आए और उधार मांगने लगे। उधार देने से इनकार करने पर उन लोगों ने रणजीत के साथ मारपीट की थी। इस घटना के बाद किसी ने लालगंज थानाध्यक्ष को फोन कर सूचना दी। थानाध्यक्ष लगभग आधे से एक घंटे बाद मौके पर पहुंचे। इसी बीच, किसी अन्य व्यक्ति ने लालगंज एसडीपीओ को भी घटना की जानकारी दे दी थी। मौके पर पहुंचते ही थानाध्यक्ष मनमोहन कुमार ने रणजीत कुमार को गाली-गलौज करना शुरू कर दिया। उन्होंने रणजीत को फंसाकर जेल भेजने की धमकी दी। थानाध्यक्ष ने रणजीत पर एसडीपीओ को फोन करवाने, अपराधियों को बैठाने और शराब पार्टी करवाने का आरोप भी लगाया। रणजीत कुमार ने थानाध्यक्ष से कहा कि होटल में सीसीटीवी कैमरा लगा है और वे फुटेज चेक कर सकते हैं। आरोप है कि सीसीटीवी चेक करने के बहाने थानाध्यक्ष मनमोहन कुमार ने रणजीत के साथ मारपीट शुरू कर दी और उन्हें तीन से चार थप्पड़ मारे। इस दौरान थानाध्यक्ष सादे कपड़ों में थे। होटल में मौजूद अन्य लोगों ने थानाध्यक्ष की इस कार्रवाई का विरोध किया। यह पूरी घटना होटल में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई है।

'शिक्षा मंत्री-झूठा मंत्री', पोस्टर के साथ टीआरई-4 कैंडिडेट्स का प्रदर्शन

पटना में पुलिस से भिड़े अभ्यर्थी, बैरिकेडिंग कर रोका गया, सरकार के खिलाफ नारेबाजी

एजेंसी, पटना

पटना में शिक्षक भर्ती परीक्षा TRE-4 को लेकर अभ्यर्थियों ने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन की शुरुआत पटना कॉलेज से हुई, जो करीब दो घंटे बाद जेपी गोलंबर पर आकर खत्म हुई। अभ्यर्थी हाथों में 'शिक्षा मंत्री झूठा है' और 'I LOVE TRE-4' लिखे पोस्टर लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते नजर आए। इस दौरान पुलिस ने उन्हें काफी समझाने की कोशिश की। प्रदर्शनकारी जेपी गोलंबर तक पहुंचना चाहते थे, लेकिन पुलिस ने रास्ते में बैरिकेडिंग कर उन्हें रोक दिया। बैरिकेडिंग के दौरान पुलिस और अभ्यर्थियों के बीच झूमाझटकी हुई। कई अभ्यर्थियों ने बैरिकेड तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश की, जबकि कुछ छात्र बैरिकेड के ऊपर चढ़ गए, जिससे मौके पर तनाव की स्थिति बन गई। BPSC ने वर्ष 2026 तक आयोजित होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं का कैलेंडर जारी किया है, लेकिन इसमें शिक्षक भर्ती परीक्षा TRE-4 का कोई उल्लेख नहीं है। इसे लेकर अभ्यर्थियों का आरोप है कि सरकार जानबूझकर TRE-4 को टालना चाहती है। कैलेंडर से TRE-4 के गायब रहने से हजारों अभ्यर्थियों में गुस्सा और निराशा दोनों बढ़ गई है।

TRE-4 गायब, सरकार की नीयत पर सवालः पिछले सोमवार को जारी BPSC के परीक्षा कैलेंडर में 70वीं, 71वीं और 72वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा (CCE), न्यायिक सेवा, APO, तकनीकी और प्रशासनिक पदों समेत 50 से अधिक भर्तियों की संभावित तिथियां दी गई हैं। इस कैलेंडर में विशेष शिक्षक, सहायक शिक्षा विकास पदाधिकारी जैसी भर्तियों का भी जिक्र है, लेकिन TRE-4 पूरी तरह नदारद है। इससे यह सवाल उठने लगा है कि क्या सरकार शिक्षक भर्ती को जानबूझकर लटका रही है।

सरकार सिर्फ जुमलेबाजी कर रही है- छात्र संगठनः अभ्यर्थियों का आरोप है कि सरकार ने पहले एक लाख से अधिक शिक्षक पदों पर भर्ती का वादा किया था। बाद में यह संख्या घटाकर करीब 26 हजार कर दी गई। अब हालात ऐसे हैं कि सरकार उतनी वैकेंसी भी देने को तैयार नहीं दिख रही है। छात्र संगठनों का कहना है कि सरकार सिर्फ जुमलेबाजी कर रही है और जमीनी स्तर पर कोई ठोस कदम नहीं उठा रही।

शिक्षा मंत्री ने TRE-4 पर रखा था अपना पक्षः शिक्षा मंत्री ने हाल ही में दैनिक भास्कर को दिए गए इंटरव्यू में TRE-4 को लेकर स्थिति स्पष्ट की थी। उन्होंने कहा था कि, 'बिहार देश का ऐसा पहला राज्य है, जहां दो साल में 2.70 लाख शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। यह कोई निजी भर्ती नहीं, बल्कि पूरी तरह सरकारी प्रक्रिया है, जिसमें रोस्टर क्लियरेंस जरूरी होता है।' मंत्री के अनुसार, चुनाव की वजह से भर्ती प्रक्रिया में देरी हुई। फिलहाल आधे जिलों से रोस्टर क्लियरेंस मिल चुका है, जबकि बाकी जिलों का इंतजार है। रोस्टर मिलने के बाद सामान्य प्रशासन विभाग आरक्षण नियमों के तहत प्रक्रिया पूरी करेगा।

25 हजार पदों पर भर्ती की उम्मीदः शिक्षा मंत्री ने यह भी कहा था कि इस बार करीब 25 हजार शिक्षक पदों पर भर्ती की संभावना है। किस विषय में कितनी जरूरत है, इसका आकलन किया जा रहा है। उन्होंने अभ्यर्थियों को भरोसा दिलाया था कि जनवरी के बाद TRE-4 की प्रक्रिया शुरू होगी।

पटना, भागलपुर, औरंगाबाद सिविल कोर्ट को उड़ाने की धमकी

एजेंसी, पटना

पटना, पटना सिटी, औरंगाबाद और भागलपुर सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इसके साथ ही औरंगाबाद की दाउदनगर अनुमंडल कोर्ट को भी मेल भेजा गया है। सिविल कोर्ट पटना, भागलपुर, औरंगाबाद और जिला बार एसोसिएशन के नाम मेल पर लेटर भेजा गया है। इसमें लिखा है कि जज के चैंबर और वॉशरूम में 4RDX रखे हैं। रिमोट से ब्लास्ट करेंगे।

♦ लेटर में लिखा- जज के चैंबर और वॉशरूम में 4आरडीएक्स रखे हैं, रिमोट से ब्लास्ट करेंगे

धमकी मिलने के बाद कोर्ट परिसर को खाली कराया गया। वकील और जज अपने चैंबर से बाहर निकल गए हैं। इसके साथ ही बिहार के सभी कोर्ट की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पटना के पीरबहोर थाने की पुलिस कोर्ट परिसर में छानबीन कर रही है। फिलहाल कोर्ट को बंद कर दिया गया है। किसी को भी अंदर जाने की अनुमति नहीं है। कैदी, गवाह सभी को लौटा दिया गया है।

पटना सिटी कोर्ट को भी उड़ाने की मिली धमकीः पटना सिटी कोर्ट को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली है। जिसके बाद पूरे कोर्ट परिसर में अफरातफरी का माहौल देखा गया। इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी गई। सूचना मिलने के बाद स्थानीय थाना की पुलिस बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वाड टीम कोर्ट पहुंची और चप्पे-चप्पे की छानबीन शुरू कर दी है। इसे लेकर एक अधिवक्ता ने कहा, 'बार-बार इस तरह की अफवाह से न्यायालय का कार्य बाधित होता है। इस तरह की अफवाह फैलाने वालों को प्रशासन को खोजना चाहिए और उसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए।'

आलमगंज थाना प्रभारी राहुल कुमार ठाकुर ने बताया कि कोर्ट परिसर को सील करके बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड टीम के साथ जांच शुरू कर दी गई है।

पटना में अतिक्रमण हटाने के दौरान झड़प

एजेंसी, पटना

पटना के कंकड़बाग इलाके के मेदांता अस्पताल के पास अतिक्रमण हटाने के दौरान हिंसक झड़प हुई है। इसमें पुलिस कर्मियों और स्थानीय लोगों को चोटें आईं हैं। शहर में अतिक्रमण हटाया जा रहा है। इसी के तहत आज मेदांता के पास से अवैध तरीके से रह रहे लोगों को हटाया जा रहा था, जिसका स्थानीय लोगों ने विरोध किया। इसके बाद हो मौके पर हल्ला होने लगा। इस दौरान पुलिस टीम पर प्रदर्शन कारियों ने पथराव करना शुरू कर दिया। स्थानीय महिला ने बताया कि, 'नगर निगम के लोग आए उन्होंने पहले कहा कि अपनी झुग्गी झोपड़ी केवल नीचे गिरा दीजिये। हम लोगों ने गिरा दिया। इसके बावजूद हटाने लगे। तोड़ फोड़ शुरू कर दी गई। मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद हैं। झुग्गी के लोगों के विरोध को देखते हुए आस पास के थाने के भी पुलिस कर्मी पहुँच गए हैं। नगर दंडाधिकारी आदित्य श्रीवास्तव ने बताया कि नगर निगम की टीम अतिक्रमण हटाने आई थी। पुलिस बल भी था। इसी दौरान अतिक्रमणकारियों ने हमला कर दिया। जिसमें एक सब इंस्पेक्टर, और कुछ अन्य पदाधिकारियों को चोट लगी है।

❒ कंकड़बाग में पुलिसकर्मी-स्थानीय लोग भिड़े, दोनों तरफ के लोगों को आई चोटें

जेल में ही रहेंगे पप्पू यादव, बेल पर सुनवाई टली 31 साल पुराने केस में हुई है सांसद की गिरफ्तारी

एजेंसी, पटना

पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव की जमानत याचिका पर आज सुनवाई टल गई है। फिलहाल वे पटना की बेऊर जेल में ही रहेंगे। मेल से पटना सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद MP-MLA कोर्ट को भी खाली कराया गया है। इसी वजह से आज बेल पर सुनवाई नहीं हो पाएगी। फिलहाल वे पटना के बेऊर जेल में बंद हैं। बेऊर ले जाने से पहले उनका पीएमसीएच में मेडिकल चेकअप हुआ था। अस्पताल के अधीक्षक राजीव कुमार के अनुसार वे फीट हैं, हालांकि बेऊर जाने के वक्त वे एंबुलेंस में लेटे हुए थे।

वहीं, दूसरी तरफ सांसद और NEET छात्रा के समर्थन में रविवार को पटना से दिल्ली तक प्रदर्शन होता रहा। पटना में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने 'पप्पू यादव को रिहा करो' के पोस्टर के साथ सरकार के खिलाफ नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पोस्टर तक जला दिए। वहीं, दिल्ली के जंतर-मंतर पर भी सांसद पप्पू यादव के समर्थन और छात्रा को न्याय दिलाने को लेकर प्रदर्शन हुआ। इसमें पीड़िता की मां और परिजन भी शामिल हुए थे। इसके अलावा करीब सैकड़ों की संख्या में लोग जुटे थे।

पप्पू यादव लगातार सरकार को घेर रहे थेः NEET छात्रा मामले को लेकर पप्पू यादव लगातार सरकार और प्रशासन को घेर रहे थे। उन्होंने अस्पताल से जुड़े कुछ लोगों के कथित ऑडियो क्लिप भी जारी किए थे, जिनमें इलाज में लापरवाही के आरोप लगाए गए थे।

अब तक पप्पू यादव बिहार में इस मुद्दे पर आवाज बुलंद कर रहे थे। अब वे इस मामले को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने लगे थे। सबसे पहले उन्होंने संसद में इस मामले पर प्रदर्शन किया। वे पोस्टर वैनर के साथ संसद के बाहर खड़े दिखे। जानकारी के मुताबिक, पप्पू यादव NEET छात्रा मामले में दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने वाले थे। इससे पहले शुक्रवार देर रात उन्हें 31 साल पुराने केस में गिरफ्तार कर लिया गया।

मलाही पकड़ी, खेमनीचक मेट्रो स्टेशन होली बाद होगा शुरू

❒ जांच के लिए दिल्ली से आ रही टीम, पटना जंक्शन के पास बन रहा इंटरचेंज स्टेशन

एजेंसी, पटना

पटना मेट्रो के दो नए स्टेशनों को शुरू करने की कवायद की जा रही है। मलाही पकड़ी और खेमनीचक मेट्रो स्टेशन के बीच मेट्रो सेवा होली बाद शुरू होगी। दूसरी ओर पटना जंक्शन के पास स्टेशन बनाने का काम तेजी से चल रहा है। यह स्टेशन पूरे मेट्रो नेटवर्क का सबसे बड़ा स्टेशन होगा। तीन तल वाला यह स्टेशन एक इंटरचेंज स्टेशन के रूप में काम करेगा। यहां से मेट्रो कॉरिडोर-वन और कॉरिडोर-टू के सभी स्टेशनों तक सीधी कनेक्टिविटी होगी।

फरवरी के अंतिम सप्ताह में आयेंगे कमिश्नर ऑफ मेट्रो रेलवे सेफ्टीः मलाही पकड़ी और खेमनीचक मेट्रो स्टेशन के बीच मेट्रो सेवा शुरू करने से पहले फरवरी के अंतिम सप्ताह में कमिश्नर ऑफ मेट्रो रेलवे सेफ्टी की (CMRS) अंतिम जांच प्रस्तावित है। सभी तकनीकी और सुरक्षा मानकों पर खरे उतरने के बाद, मार्च के पहले सप्ताह में इन दोनों स्टेशनों से मेट्रो सेवा शुरू हो सकती है। मेट्रो अधिकारियों के अनुसार, CMRS की टीम 25 से 28 फरवरी के बीच पटना पहुंचेगी। इस दौरान टीम मलाही पकड़ी और खेमनीचक स्टेशन के ट्रैक, सिग्नलिंग सिस्टम, प्लेटफॉर्म सुरक्षा व्यवस्था, यात्री सुविधाएं और अन्य तकनीकी पहलुओं की बारीकी से जांच करेगी। जंक्शन मेट्रो स्टेशन का निर्माण बुद्धा पार्क के पास हो रहा है। इसका प्लेटफार्म जंक्शन के पास बने पुल के नीचे तक फैला हुआ होगा। पहले तल पर टिकट काउंटर, जांच द्वार और अन्य यात्रियों की सुविधाएं होंगी। दूसरे और तीसरे तल पर अलग-अलग प्लेटफार्म बनाए जाएंगे, जहां तक पहुंचने के लिए एस्केलेटर और लिफ्ट की व्यवस्था की जाएगी।

तेज प्रताप यादव पूरे बिहार में करेंगे पैदल मार्च, कहा- जयचंदों ने राजद को बर्बाद किया

एजेंसी, पटना

पटना में सोमवार को तेजप्रताप यादव ने अपने संगठन के साथ बैठक की। इस दौरान जेजेडी के विस्तार को लेकर चर्चा भी हुई। बैठक के बाद तेज प्रताप यादव ने कहा कि वो बिहार में पैदल यात्रा पर निकलने वाले है। बिहार के 38 जिलों में उनकी यह पैदल यात्रा निकलेगी।वहां के लोगों से मिलेंगे और उनकी समस्याएं सुनेंगे। तेज प्रताप ने सुनील सिंह पर हमला बोला। कहा कि RJD के लोगों का आपने कई बार अपमान किया है। राजद का क्या मामला है, नहीं है मुझे नहीं पता। इसलिए RJD 25 सीटों पर आ गई है। RJD में जो जयचंद हैं, उन्होंने मेरे पिता लालू यादव को बर्बाद कर दिए। अब मेरे पिता की RJD में कुछ नहीं चलती है। जयचंदों की वजह से राजद 25 पर आ गई, अब जीरो पर आएगी।

MLC सुनील सिंह पर तेज प्रताप यादव ने कहा, हम उनको बता देते हैं कि हमारे जो मामा थे, वह उनके चेला रह चुके हैं। उनके पीछे-पीछे घुमा करते थे। सुनील सिंह ने तो RJD को खोखला कर दिया। अपनी वाणी पर संयम नहीं रखेगा तो खुद भी जल्द खोखला हो जाएगा। सुनील सिंह ने मुझे बच्चा कहा...बचा कब चाचा निकल जाएगा कोई नहीं जनता है। सुनील सिंह अपनी वाणी पर संयम रखिए नहीं तो आपको सुधार दिया जाएगा।

कहा- लालू यादव की असली पार्टी है JJD: RJD के लोग तो हमारी पार्टी में जुड़ रहे हैं, जो चूड़ा दही का हमने भोज रखा था। हमारे पिता लालू यादव ने हमें जाकर आशीर्वाद दे दिया। अब सबको पता चल गया कि लालू यादव की असली पार्टी जनशक्ति जनता दल ही है। राजद के कई कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया था चुनाव के समय की पैसे लेकर टिकट दिया गया। इस पर तेज प्रताप ने कहा कि यह तो सच्चाई है। हमने तो इसे करीब से देखा है, जब हम वहां रहते थे क्या क्या होता था।

MLC चुनाव में सभी सीटों पर उतारेंगे कैंडिडेटः वहीं, JJD के राष्ट्रीय कार्यकारिणी और खुला अधिवेशन की बैठक 16 अप्रैल को होगी। उन्होंने कहा 16 अप्रैल शुभ दिन है उसे दिन हमारे नेता का जन्मदिन भी है। इस बैठक में पार्टी के आगे के रणनीति पर निर्णय लिया जाएगा। एमएलसी चुनाव में भी हमारी पार्टी सभी सीटों पर कैंडिडेट उतरेगी। बता दें कि तेज प्रताप यादव एक बार फिर से सुर्खियों में हैं। अनुष्का यादव ने एक बच्ची को जन्म दिया है, इसकी चर्चा रविवार से लगातार हो रही है। रविवार को ही केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने ट्वीट कर तेजप्रताप और अनुष्का को बधाई भी दी थी। हालांकि इसके बाद ट्वीट हटा लिया था।

'जोड़ी मोदी-नीतीश के...'गाने से नितिन नवीन का वेलकम, बापू सभागार में लहराया भगवा गमछा

एजेंसी, पटना

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नवीन सोमवार को पहली बार पटना पहुंचे। ढोल-नगाड़ों के साथ बीजेपी दफ्तर में उनका स्वागत किया गया। वे विधानमंडल दल की बैठक करेंगे। बीजेपी कार्यालय में मीडिया की एंट्री नहीं दी गई है। पटना एयरपोर्ट पर पार्टी नेताओं-कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। जोड़ी 'नीतीश-मोदी के हिट हो गइल' गाने के साथ स्वागत किया गया। इसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष के स्वागत में बाइक रैली निकाली गई। एयरपोर्ट से नितिन नवीन सीधे बापू सभागार पहुंचे, जहां भाजपा की ओर से राष्ट्रीय अध्यक्ष के सम्मान में अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया था। यहां भगवा गमछा लहरा कर पार्टी कार्यकर्ताओं ने नए अध्यक्ष का स्वागत किया। इस समारोह में बिहार के सभी जिलों से हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे और संगठन को और अधिक मजबूत करने का संदेश दिया।

संबोधन के दौरान भावुक हुए नितिन नवीनः अपने संबोधन के दौरान नितिन नवीन भावुक हो गए। उन्होंने इस मौके को अपने लिए भावुक क्षण बताया और पार्टी के कार्यकर्ताओं व नेताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। बीजेपी अध्यक्ष ने कहा, "2006 में पिता के निधन के बाद मैंने राजनीति में कदम रखा। उस समय पार्टी ने मुझ पर भरोसा जताया और वरिष्ठ नेताओं व कार्यकर्ताओं ने मुझे आगे बढ़ने का अवसर दिया।" उन्होंने कहा कि कई विधायक और कार्यकर्ता ऐसे रहे हैं, जिन्होंने उंगली पकड़कर उन्हें राजनीति में चलना सिखाया। ये सभी लोग आज भी उनके स्मरण में हैं और उनकी राजनीतिक यात्रा का अहम हिस्सा रहे हैं। प्रधानमंत्री के प्रति आभार जताते हुए नितिन नवीन ने कहा कि जिस विश्वास के साथ उन्हें यह बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से पालन करेंगे। उन्होंने कहा, "मेरी राजनीतिक शुरुआत बिहार में एक साधारण कार्यकर्ता के रूप में हुई थी और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने के बाद भी मैं खुद को कार्यकर्ता ही मानता हूं।" बीजेपी अध्यक्ष ने उन कार्यकर्ताओं को नमन किया, जिन्होंने कभी उन्हें व्यक्तिगत रूप से नहीं देखा, लेकिन आज उन्हें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में देख रहे हैं।

❒ बीजेपी दफ्तर में विधानमंडल दल की बैठक करेंगे

नितिन नवीन का पार्टी अध्यक्ष बनना बिहार के लिए सम्मान की बात- संजय सरावगीः प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा है कि, 'राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का बिहार दौरा हम सभी कार्यकर्ताओं के लिए गर्व का पल है। 45 साल की उम्र में नितिन नवीन का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना पूरे बिहार के लिए सम्मान की बात है।' अपने दो दिवसीय प्रवास के दौरान नितिन नवीन कई संगठनात्मक और राजनीतिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे। नागरिक अभिनंदन समारोह के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष पार्टी के प्रदेश पदाधिकारी के साथ एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक करेंगे।

मंगलवार को नितिन नवीन जाएंगे विधानसभाः 10 फरवरी को राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन बिहार विधानसभा जाएंगे, जहां विधायक और विधानपार्षद उनका स्वागत करेंगे। इसके बाद वे दोपहर में बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र के एक कार्यक्रम में भाग लेंगे। दौरे के अंतिम दिन 10 फरवरी की शाम वे पटना एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए रवाना होंगे। उनके स्वागत और कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए बिहार भाजपा पूरी तरह तैयारियों में जुटी हुई है।

संक्षिप्त समाचार

पहाड़पुर में अवैध दवा दुकान पर छापेमारी, एक लाख की दवाएं जब्त

बीएनएम @ पहाड़पुर। पूर्वी चंपारण जिले के पहाड़पुर क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग और औषधि विभाग की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए एक अवैध दवा दुकान का भंडाफोड़ किया है। औषधि निरीक्षक दयानंद प्रसाद के नेतृत्व में गठित टीम ने पहाड़पुर स्थित आशीर्वाद हॉस्पिटल परिसर में संचालित मेडिकल दुकान पर औचक छापेमारी की। छापेमारी के दौरान टीम में शामिल अधिकारियों — सागर मल सोनी, एमडी रईस आलम और राकेश सिंह — ने दुकान के दस्तावेजों की गहन जांच की। जांच में पाया गया कि मेडिकल स्टोर बिना वैध लाइसेंस के संचालित किया जा रहा था। प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए दुकान से लगभग एक लाख रुपये मूल्य की दवाएं जब्त कर लीं। साथ ही दवाओं की गुणवत्ता की जांच के लिए दो दवाओं के नमूने लेकर उन्हें सरकारी प्रयोगशाला भेजा गया है। इस मामले में दुकान मालिक नितेश कुमार की संलिप्तता सामने आने के बाद संबंधित धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। स्थानीय प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र के अन्य अवैध दवा विक्रेताओं में हड़कंप है। अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

पेट्रोल पम्प पर मारपीट, 75 हजार रुपये लूटने का आरोप; एफआईआर दर्ज

बीएनएम @ तुरकौलिया। थाना क्षेत्र के जयसिंहपुर दक्षिणी पंचायत स्थित बड़हरवा पेट्रोल पम्प पर दो दिन पूर्व हुई मारपीट और रुपये छीनने की घटना को लेकर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सोमवार को दारोगा संजय कुमार पेट्रोल पम्प पर पहुंचकर पम्पकर्मियों और पम्प मालिक का बयान दर्ज किया। बयान में बताया गया कि बड़हरवा गांव के मंटू शर्मा, ललन शर्मा और गुलशन कुमार सहित पांच–छह अज्ञात युवकों ने घटना को अंजाम दिया। घटना 7 फरवरी की बताई जा रही है। इस संबंध में हरसिद्धि थाना क्षेत्र के मेहता टोला निवासी पेट्रोल पम्प मालिक अनीश कुमार ने थाना में आवेदन दिया है। आवेदन में उन्होंने बताया कि 7 फरवरी को करीब 12:40 बजे उन्हें सूचना मिली कि कुछ लोग पम्प पर पहुंचकर कर्मचारियों के साथ गाली-गलौज और मारपीट कर रहे हैं। सूचना मिलने पर जब वे घर से पम्प पहुंचे और असामाजिक तत्वों को रोकने का प्रयास किया, तो आरोपितों ने उनके साथ भी मारपीट की और उनकी जेब से 75 हजार रुपये छीन लिए। आरोप है कि हमलावरों ने उनका मोबाइल भी छीनकर तोड़ दिया। पम्प मालिक ने यह भी आरोप लगाया है कि घटना के बाद आरोपित फोन कर हत्या की धमकी दे रहे हैं। थानाध्यक्ष उमाशंकर मांझी ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया गया है।

ई-रिक्शा से ले जाया जा रहा संदिग्ध सामान जब्त, कस्टम को सौंपी जाएगी आगे की कार्रवाई

बीएनएम @घोड़ासहन @ विक्की विजेंदर । घोड़ासहन क्षेत्र में एसएसबी की सतर्कता के चलते एक ई-रिक्शा से ले जाया जा रहा संदिग्ध सामान जब्त किए जाने का मामला सामने आया है। एसएसबी 47वीं बटालियन, जामुनिया कैंप की टीम ने नियमित जांच के दौरान ई-रिक्शा को रोका, जिसमें भारी मात्रा में सामान लदा हुआ था। जांच में पाया गया कि यह ई-रिक्शा महिंद्रा इलेक्ट्रिक कंपनी का है, जिसका पंजीकरण संख्या BR05PB7620 है। ई-रिक्शा चालक की पहचान जामुनिया निवासी भुनेश प्रसाद के रूप में हुई है, जो पेशे से ऑटो चालक बताए जाते हैं। पूछताछ के दौरान भुनेश प्रसाद ने बताया कि यह सामान लक्ष्मीनिया गांव निवासी विकेश कुमार का है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें यह सामान घोड़ासहन स्थित एक रेडीमेड दुकान तक पहुंचाने के लिए 300 रुपये पारिश्रमिक तय किया गया था। एसएसबी सूत्रों के अनुसार, सामान की प्रकृति संदिग्ध प्रतीत होने पर उसे तत्काल जब्त कर लिया गया। मौके पर ई-रिक्शा और सामान की विधिवत जब्ती सूची तैयार की गई। इस संबंध में एसएसबी जामुनिया कैंप के सहायक कमांडेंट टी. शेरिंग चोसग्याल ने बताया कि सभी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए कार्रवाई की गई है। उन्होंने बताया कि जब्त सामान और ई-रिक्शा को आगे की जांच एवं आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए कस्टम कार्यालय, मोतिहारी को सौंपने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। कस्टम विभाग द्वारा जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि सामान वैध है या किसी प्रकार की तस्करी से जुड़ा हुआ है।

हत्या के प्रयास मामले में चार आरोपी गिरफ्तार, जेल भेजे गए

बीएनएम @ रामगढ़वा। रामगढ़वा पुलिस ने हत्या के प्रयास से जुड़े एक मामले में कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। यह कार्रवाई कांड संख्या 466/25 के तहत की गई है। थानाध्यक्ष राजीव कुमार साह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शोभा टोला आमोंदेई (थाना रामगढ़वा, जिला पूर्वी चंपारण) निवासी सफ़ीउल्लाह मियां (पिता स्व. रसूल मियां), तमन्ना खातून (पति नासिर मियां), शोअएवी खातून (पति सफ़ीउल्लाह मियां) तथा सबरून खातून (पिता सफ़ीउल्लाह मियां) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है और मामले की जांच जारी है।

निजी स्कूल प्रकरण : जनता लुटे, सिस्टम मौन

सागर सूरज

अब शहर में अभिभावक संघ भी खुलकर सामने आने लगा है। संगठनों ने निजी स्कूलों की मनमानी के खिलाफ आवाज बुलंद करनी शुरू कर दी है और जिलाधिकारी से अभियान को और तेज करने की मांग उठ रही है।

मोतिहारी। मोतिहारी में कुकुरमुत्ते की तरह फैल रहे निजी स्कूलों और निजी अस्पतालों पर शोषण के आरोप कोई नई बात नहीं रह गए हैं, लेकिन अब सवाल सिर्फ संस्थानों पर नहीं, बल्कि उन अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों पर भी उठने लगे हैं, जिनकी चुप्पी ने इस व्यवस्था को और बेलगाम बना दिया है। जब जिले के शीर्ष अधिकारी अपने बच्चों को संत फ्रांसिस और जीडी गोयनका जैसे महंगे निजी स्कूलों में पढ़ाते हों, और छह बार के विधायक रहे प्रमोद कुमार को आंख के ऑपरेशन के लिए दिल्ली जाना पड़े, तो सरकारी स्कूलों और अस्पतालों से आम आदमी का भरोसा डगमगाना स्वाभाविक है।

निजी स्कूलों की मनमानी फीस, अवैध चार्ज और जबरन खरीद की शिकायतों के बीच जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के आदेशों के बावजूद जमीनी हकीकत नहीं बदली है। पोशाक, बेल्ट, जूता, बैग और किताबें—सब कुछ स्कूल द्वारा बताए गए तय दुकानों से ही खरीदने का दबाव आज भी जारी है। इसके अलावा डेवलपमेंट फीस,

एक्टिविटी चार्ज, स्मार्ट क्लास, री-एडमिशन और परीक्षा शुल्क जैसे नामों पर अभिभावकों की जेब लगातार हल्की की जा रही है।

स्थिति यह है कि शिक्षा अब सेवा नहीं, बल्कि सुनियोजित कारोबार बनती जा रही है। फीस समय पर न देने पर बच्चों को क्लास से बाहर करना, रिजल्ट रोकना और मानसिक दबाव बनाना आम बात हो गई है। सवाल यह है कि जब जिला प्रशासन अभियान चलाने की बात करता है, तब भी निजी स्कूल खुलेआम आदेशों की अनदेखी कैसे कर रहे हैं?

इसी तरह स्वास्थ्य व्यवस्था की हालत भी भरोसेमंद नहीं रह गई है। सरकारी अस्पतालों की बदहाली और सुविधाओं की कमी के चलते आम मरीज मजबूरी में निजी अस्पतालों का रुख करता है, जहां इलाज कम और बिल ज्यादा मिलते हैं। जब खुद जनप्रतिनिधि और अधिकारी इलाज के लिए बड़े शहरों की ओर भागते हैं, तो यह सरकारी व्यवस्था की असफलता का खुला प्रमाण है।

अब शहर में अभिभावक संघ भी खुलकर सामने आने लगा है। संगठनों ने निजी स्कूलों की मनमानी के खिलाफ आवाज बुलंद करनी शुरू कर दी है और जिलाधिकारी से अभियान को और तेज करने की मांग उठ रही है। अभिभावकों का कहना है कि केवल नोटिस और बैठकों से काम नहीं चलेगा, ठोस कार्रवाई और दंडात्मक कदम जरूरी हैं।

बड़ा सवाल यही है कि क्या कानून और आदेश सिर्फ कागजों तक सीमित रहेंगे, या फिर सिस्टम खुद को सुधारने का साहस दिखाएगा? जब तक अधिकारी, जनप्रतिनिधि और प्रशासन एक ही मानक पर खुद को नहीं परखेंगे, तब तक निजी स्कूल और अस्पताल आम आदमी को इसी तरह लूटते रहेंगे।

क्रमशः

राष्ट्रपति सम्मान के बाद जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल को भाजपा महिला मोर्चा ने किया सम्मानित

बीएनएम @ मोतिहारी

निर्वाचन प्रक्रिया में उत्कृष्ट तकनीक के उपयोग के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित पूर्वी चंपारण के जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल को सम्मानित किए जाने पर जिले में गौरव का माहौल है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस (25 जनवरी 2026) के अवसर पर भारत की महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा सम्मानित किए जाने के बाद भाजपा महिला मोर्चा की ओर से जिलाधिकारी को सम्मानित किया गया। भाजपा महिला मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष माला सिन्हा और युवा समाजसेवी सत्यम वर्मा के नेतृत्व में जिलाधिकारी के कार्यालय कक्ष में उन्हें अंगवस्त्र, मेमेंटो और पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर माला सिन्हा ने कहा कि जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल लगातार दूसरी बार राष्ट्रपति के हाथों सम्मानित होकर न केवल पूर्वी चंपारण बल्कि पूरे बिहार को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया में तकनीक के उत्कृष्ट उपयोग के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करना जिले के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। युवा समाजसेवी सत्यम वर्मा ने कहा कि जिलाधिकारी की कार्यशैली और प्रशासनिक दक्षता युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को उनके कार्यों से सीख लेकर अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करना चाहिए। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने इस सम्मान के लिए माला सिन्हा और सत्यम वर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया।

ई-रिक्शा और बाइक की टक्कर में किशोर की मौत, दो घायल

बीएनएम @ तुरकौलिया

थाना क्षेत्र के बेलवाराय पंचायत में महनवा-सेमरा सड़क पर सोमवार की सुबह ई-रिक्शा और बाइक की आमने-सामने टक्कर में एक किशोर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक पर सवार दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान बेलवाराय वार्ड-6 निवासी अजमत आलम के 16 वर्षीय पुत्र कैफ आलम के रूप में हुई है। वहीं घायलों में बेलवाराय वार्ड-8 निवासी जलील मियां का 16 वर्षीय पुत्र शमशाद आलम तथा तुरकौलिया मध्य पंचायत के सेनवरिया गांव निवासी अनवर आलम का पुत्र इमरान आलम शामिल हैं। जानकारी के अनुसार ई-रिक्शा महनवा से सेमरा की ओर जा रहा था, जबकि बाइक पर सवार तीन युवक विपरीत दिशा से महनवा की ओर आ रहे थे। इसी दौरान महेंद्र पटेल के घर के समीप दोनों वाहनों के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक चालक कैफ आलम की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और अन्य दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां एक युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है और वह आईसीयू में भर्ती है। पोस्टमार्टम के बाद शव जैसे ही घर पहुंचा, परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक दो भाइयों में सबसे बड़ा था। थानाध्यक्ष उमाशंकर मांझी ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। आवेदन मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ड्रग्स केस में कमजोर एफआईआर से लेकर शराब कांड तक, तुरकौलिया पुलिस की दोहरी भूमिका पर सवाल; एसपी से जांच की मांग

सागर सूरज

मोतिहारी। तुरकौलिया थाना क्षेत्र से जुड़ी दो अलग-अलग लेकिन आपस में गहराई से जुड़ी घटनाओं ने स्थानीय पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

एक ओर ड्रग्स जैसे संगीन मामले में ऐसे व्यक्ति के बयान पर एफआईआर दर्ज करने का आरोप है जो घटना स्थल पर मौजूद ही नहीं था, तो दूसरी ओर शराब कांड में कथित सप्लायर को बचाने की कोशिश की बात सामने आ रही है। इन दोनों मामलों को जोड़कर देखें तो आरोप है कि कमजोर अनुसंधान, साक्ष्यों की कमी और प्रक्रियागत लापरवाही के जरिए अभियुक्तों को कानूनी लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

ड्रग्स से जुड़े मामले में यह आरोप बेहद गंभीर माना जा रहा है कि प्राथमिकी उस दरोगा के बयान पर दर्ज की गई, जो कथित छापेमारी के समय मौके पर मौजूद ही नहीं थे। कानून विशेषज्ञों का कहना है कि एनडीपीएस जैसे कठोर कानून में एफआईआर, बरामदगी और मौके की उपस्थिति का स्पष्ट सामंजस्य होना अनिवार्य है। इसके अभाव में पूरा केस अदालत में कमजोर पड़ जाता है।

इसी लापरवाही का परिणाम हाल ही में देखने को मिला, जब पटना उच्च न्यायालय ने 10 किलोग्राम चरस के रक्सौल के एक मामले में अभियुक्त को जमानत दे दी। न्यायालय ने अपने आदेश में साफ तौर पर अनुसंधान की खामियों, साक्ष्य के अभाव, बरामदगी को लेकर संदेह जैसे बिंदुओं का उल्लेख किया। इसे तुरकौलिया और आसपास के थानों में ड्रग्स मामलों की जांच पर बड़ा झटका माना जा रहा है।

तूरकॉलिया मे घटित 27 सितंबर 2025 की एक घटना में वायरल सीसीटीवी फुटेज ने पुलिस की भूमिका को और संदिग्ध बना दिया है। फुटेज में तुरकौलिया थाने के दो पुलिस पदाधिकारी और एक निजी व्यक्ति कथित तौर पर गांजा जैसे मादक पदार्थ के साथ एक आरोपी को पकड़ते नजर आ रहे हैं। इसके बावजूद एफआईआर ऐसे अधिकारी के बयान पर दर्ज की गई जो छापेमारी में शामिल नहीं था। बताया जा रहा है कि यह सीसीटीवी फुटेज मोतिहारी एसपी स्वर्ण प्रभात को सौंप दी गई है।

इसके अलावा स्कूल चौक पर शराब पार्टी के मामले में भी पुलिस पर आरोप है कि पूछताछ में नाम सामने आने के बावजूद कथित सप्लायर को तस्कर के रूप में जेल नहीं भेजा

गया और मामले को हल्का कर दिया गया। गिरफ्तार लोगो के बयान पर सप्लायर के घर छापमारी कर गिरफ्तार की गयी और शराब पिने मे भेजा गया ताकि पेनल्टी जमा कर सप्लायर बरी हो जाये।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इन दोनों घटनाओं में अनुसंधान की कमजोरी और साक्ष्यों का असंतुलन संयोग नहीं बल्कि एक पैटर्न की ओर इशारा करता है। अब मांग उठ रही है कि तुरकौलिया थाना क्षेत्र से जुड़े इन दोनों मामलों की निष्पक्ष जांच एसपी स्तर से कराई जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके और पुलिस की साख बहाल हो।

भटहां पंचायत में कबीर अंत्येष्टि योजना की राशि वितरित

मुखिया राजू देवी ने 25 लाभुकों को सौंपा चेक

बीएनएम @ सुगौली

प्रखंड के भटहां पंचायत में सोमवार को कबीर अंत्येष्टि योजना के तहत 25 लाभुकों के बीच सहायता राशि का वितरण किया गया। पंचायत की मुखिया राजू देवी ने लाभुकों को चेक प्रदान किया। इस अवसर पर पूर्व मुखिया प्रवीण सिंह उर्फ चुनचुन सिंह ने कहा कि कबीर अंत्येष्टि योजना कठिन समय में शोकाकुल परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान कर उन्हें संबल देती है। मुखिया राजू देवी ने पंचायतवासियों को भरोसा दिलाया कि पंचायत जनहित के कार्यों के लिए हमेशा तत्पर है और जरूरतमंदों के साथ खड़ी रहेगी। कार्यक्रम में पंचायत सचिव युगल किशोर, कार्यपालक सहायक अजीत कुमार, मुन्ना कुमार, स्वास्थ्य पर्यवेक्षक अशोक कुशवाहा, वार्ड सदस्य सहित अन्य लोग मौजूद थे।

महाशिवरात्रि पर सजेगी बाबा सोमेश्वरनाथ की नगरीः प्रशासन ने कसी कमर

» श्रद्धा और सुरक्षा का होगा अद्भुत संगम

बीएनएम @ अरेराज

अरेराज की पावन धरती एक बार फिर महादेव के जयकारों से गुंजायमान होने के लिए तैयार है। बाबा सोमेश्वरनाथ की नगरी में महाशिवरात्रि के अलौकिक पर्व को भव्य और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने हेतु अनुमंडल प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो चुका है। सोमवार को अनुमंडल सभागार में अनुमंडल पदाधिकारी अंजली शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान मेले की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। इस वर्ष 12 फरवरी से 15 फरवरी 2026 तक चलने वाले इस चार दिवसीय महापर्व को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा और सुविधा का ऐसा खाका खींचा है, जिससे श्रद्धालुओं को बाबा के दर्शन और जलार्पण में किसी भी बाधा का सामना न करना पड़े। एसडीओ अंजलि शर्मा ने अधिकारियों को सख्त लहजे में निर्देशित किया है कि भीड़ नियंत्रण और यातायात का सुगम संचालन उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है, अतः व्यवस्था में किसी भी स्तर पर कोताही अक्षम्य होगी। भक्ति के इस महापर्व में आस्था का रंग भरने के लिए मंदिर के मठाधीश महामंडलेश्वर रविशंकर गिरी महाराज ने भी विशेष तैयारियां की हैं। महाराज जी के अनुसार, इस वर्ष मंदिर परिसर को दुर्लभ पुष्पों और मनमोहक विद्युत सज्जा से एक दिव्य स्वरूप दिया जाएगा, जो भक्तों को साक्षात शिवलोक की अनुभूति कराएगा। महाशिवरात्रि की पावन निशा में होने वाला बाबा का विशेष श्रृंगार और भव्य महाआरती इस उत्सव का मुख्य आकर्षण होगी, जिसके लिए मंदिर प्रबंधन और समर्पित स्वयंसेवक दिन-रात जुटे हुए हैं। महाराज जी ने श्रद्धालुओं से भी भक्तिभाव के साथ अनुशासन बनाए रखने की भावपूर्ण अपील की है। प्रशासनिक स्तर पर चाक-चौबंद व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए एसडीओ ने बिजली, पेयजल, स्वास्थ्य शिविर और अग्निशमन जैसे महत्वपूर्ण विभागों को समय सीमा के भीतर सभी तैयारियां पूरी करने की कड़ी हिदायत दी है। बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी आदित्य नारायण दीक्षित, पुलिस उपाधीक्षक पूर्णकाम समर्थ और नगर अध्यक्ष रंटू पांडे सहित विभिन्न विभागों के आला अधिकारियों की उपस्थिति यह स्पष्ट करती है कि इस बार अरेराज में महाशिवरात्रि का अनुभव न केवल भव्य होगा, बल्कि सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी अभेद्य रहेगा।

सिकरहना को मिला नया प्रशासनिक नेतृत्व, एसडीओ विजय कुमार ने संभाला पदभार

बीएनएम @ सिकरहना

सिकरहना अनुमंडल को सोमवार को नया प्रशासनिक नेतृत्व मिला, जब नव पदस्थापित अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) विजय कुमार ने अनुमंडल कार्यालय में विधिवत योगदान देकर कार्यभार ग्रहण किया। पदभार संभालने के बाद एसडीओ विजय कुमार ने कहा कि कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने इस महत्वपूर्ण अनुमंडल की जिम्मेदारी मिलने पर गर्व व्यक्त करते हुए आम जनता की समस्याओं के त्वरित, निष्पक्ष और प्रभावी समाधान का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्रमुख जिम्मेदारी है। साथ ही प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए कहा कि जनता की बात संवेदनशीलता से सुनना और उस पर त्वरित कार्रवाई करना उनकी कार्यशैली का हिस्सा होगा। एसडीओ ने प्रशासन और आमजन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर बल देते हुए कहा कि आपसी सहयोग से ही क्षेत्र के समग्र विकास को गति दी जा सकती है। विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को ईमानदारी और निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का निर्देश दिया। उन्होंने जनहित से जुड़े मामलों में त्वरित निर्णय लेने की प्रतिबद्धता जताते हुए कहा कि आम जनता के लिए उनका कार्यालय हमेशा खुला रहेगा। उनके पदभार ग्रहण करने से अनुमंडल में प्रशासनिक मजबूती की उम्मीद जताई जा रही है। कार्यभार ग्रहण के दौरान अनुमंडल कार्यालय के सभी अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

1228 लीटर देशी शराब विनष्ट

बीएनएम @ सुगौली। स्थानीय थाना परिसर में सोमवार को अंचलाधिकारी कुंदन कुमार और थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह की मौजूदगी में 1228 लीटर देशी शराब को विनष्ट किया गया। थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह ने बताया कि यह शराब विभिन्न कार्रवाई के दौरान जब्त की गई थी, जो कुल 20 कांडों से संबंधित है। नियमानुसार सभी जब्त शराब को अधिकारियों की उपस्थिति में नष्ट किया गया।

स्वच्छता और सेवाओं में अव्वल एम्स पटना

बीएनएम @ पटनाः पटना एम्स में 6 और 7 फरवरी 2026 को 'कायाकल्प बाह्य मूल्यांकन 2025–26' का सफल आयोजन किया गया। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के तहत, नई दिल्ली के NIHFW से आए तीन सदस्यीय विशेषज्ञ दल ने संस्थान का गहन निरीक्षण किया। कार्यक्रम की शुरुआत नोडल अधिकारी डॉ. सुजीत सिन्हा की प्रस्तुति से हुई, जिसमें उन्होंने अस्पताल के संक्रमण नियंत्रण और गुणवत्ता सुधार के प्रयासों को रेखांकित किया।विशेषज्ञ दल ने ओपीडी, आईपीडी, फार्मेसी और रसोई सहित विभिन्न विभागों की स्वच्छता और परिचालन मानकों की समीक्षा की। यह मूल्यांकन कार्यकारी निदेशक प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल के नेतृत्व में संपन्न हुआ, जिसमें चिकित्सा अधीक्षक और प्रशासनिक अधिकारियों की सक्रिय भूमिका रही। विशेषज्ञों ने एम्स पटना की स्वच्छता, रोगी सुरक्षा और सुव्यवस्थित कार्यप्रणाली पर संतोष व्यक्त करते हुए संस्थान की प्रतिबद्धता की सराहना की। इस निरीक्षण से बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में एम्स पटना के प्रयासों को नई मजबूती मिली है।

संजय बने भारतीय मजदूर संघ के अखिल भारतीय मंत्री

बीएनएम @ पटना : भगवान जगन्नाथ की पावन धरती पुरी (ओडिशा) में आयोजित भारतीय मजदूर संघ के त्रिदिवसीय त्रैवार्षिक अधिवेशन में बिहार के संजय कुमार सिन्हा को अखिल भारतीय मंत्री नियुक्त किया गया है। श्री सिन्हा वर्तमान में बिहार प्रदेश बीएमएस के महामंत्री पद की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। उनकी इस नई नियुक्ति से स्थानीय कार्यकर्ताओं और समर्थकों में हर्ष की लहर है।संजय कुमार सिन्हा का बीएमएस के साथ सफर वर्ष 1989 से निरंतर जारी है। उन्होंने भारतीय डाक लेखा संघ में विभिन्न पदों से लेकर भारतीय डाक कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष और बिहार प्रांत के कोषाध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया है। इसके साथ ही, अधिवक्ता जयंत राय को संगठन के विधिक (लीगल) प्रकोष्ठ का सदस्य मनोनीत किया गया है। यह अधिवेशन 06 से 08 फरवरी तक चला, जिसमें देश भर के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। उनकी यह पदोन्नति बिहार के लिए श्रमिक आंदोलनों की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

14 फरवरी तक 5 हजार से अधिक बच्चों को दी जाएगी सुरक्षा की खुराक

बीएनएम @ गयाजी। जिले में शिशुओं और गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सोमवार से एक विशेष टीकाकरण अभियान का आगाज़ किया गया है। 14 फरवरी तक चलने वाले इस सघन अभियान का मुख्य उद्देश्य उन बच्चों और महिलाओं तक पहुंचना है, जो किसी कारणवश नियमित टीकाकरण से वंचित रह गए थे। जिले के कुल 493 उप स्वास्थ्य केंद्रों में से 304 को इस कार्य के लिए विशेष रूप से चिन्हित किया गया है।जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. राजीव अंबष्ठ ने बताया कि अभियान को सुचारू रूप से चलाने के लिए जिले भर में 775 सेशन साइट बनाई गई हैं। इस अभियान के तहत 5,345 बच्चों (0 से 6 वर्ष) और 1,213 गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण का लक्ष्य रखा गया है। डॉ. अंबष्ठ ने जोर देकर कहा कि नियमित टीकाकरण डिप्थीरिया, काली खांसी, टेटनस, पोलियो और हेपेटाइटिस-बी जैसी जानलेवा बीमारियों के खिलाफ एक सुरक्षा कवच की तरह काम करता है।टीकाकरण न केवल शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है, बल्कि यह भविष्य में होने वाले महंगे इलाज और शारीरिक जटिलताओं से भी बचाता है। स्वास्थ्य विभाग ने आम जनमानस से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाएं और अपने परिवार के सुरक्षित भविष्य के लिए टीकाकरण अवश्य करवाएं।

शादी के छह माह बाद विवाहिता की संदिग्ध मौत

बीएनएम @ बगहा : बगहा नगर के शास्त्री नगर (वार्ड 16) में सोमवार को 20 वर्षीय युवती प्रतिमा कुमारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के समय परिवार के सदस्य खेती के काम से बाहर गए थे। अचानक तबीयत बिगड़ने पर पड़ोसी उसे अनुमंडलीय अस्पताल ले गए, जहाँ चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका की माँ ने बताया कि छह माह पूर्व उसकी शादी नरकटियागंज के विजय भर से हुई थी, जो वर्तमान में हिमाचल प्रदेश में कार्यरत है। रविवार रात फोन पर पति-पत्नी के बीच विवाद की बात सामने आई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जाँच शुरू कर दी है। दूसरी ओर, होली के दौरान यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए रेलवे ने कई महत्वपूर्ण स्पेशल ट्रेनों के संचालन का निर्णय लिया है। इसमें नारंगी-गोरखपुर स्पेशल 19 फरवरी से 26 मार्च तक प्रत्येक गुरुवार को संचालित होगी, जबकि कटिहार-अमृतसर स्पेशल हर बुधवार को कटिहार से रवाना होगी। इसके अतिरिक्त किशनगंज-लालकुआं स्पेशल ट्रेन भी इसी अवधि में प्रत्येक गुरुवार को चलेगी। रेलवे की इस पहल से सीटों की उपलब्धता बढ़ेगी और त्यौहार के समय यात्रियों को टिकट की मारामारी से बड़ी राहत मिलेगी। यात्रियों से अनुरोध है कि वे समय रहते अपनी टिकट बुकिंग सुनिश्चित करें।

गया में बीडीओ 50 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

बीएनएम @ पटना

निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, बिहार की मुख्यालय टीम ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए गया नगर प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) राकेश कुमार को 50 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई सोमवार (09 फरवरी 2026) को नगर प्रखंड कार्यालय स्थित प्रखंड प्रमुख के कक्ष में की गई। जानकारी के अनुसार, नगर प्रखंड की प्रमुख सुचिता रंजनी ने निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, पटना में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा पूर्ण कराए गए कार्य के बाद लेबर मद में 3 लाख 50 हजार रुपये के भुगतान के एवज में रिश्वत की मांग की जा रही है। निगरानी ब्यूरो ने शिकायत का सत्यापन कराया, जिसमें रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। इसके बाद निगरानी थाना कांड संख्या 016/26 दर्ज कर पुलिस उपाधीक्षक सत्येंद्र राम के नेतृत्व में धावा दल का गठन किया गया। टीम ने योजनाबद्ध कार्रवाई करते हुए आरोपी बीडीओ को 50 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी से पूछताछ की जा रही है और उसे आगे की कानूनी प्रक्रिया के तहत विशेष निगरानी न्यायालय, पटना में पेश किया जाएगा। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो के अनुसार वर्ष 2026 में भ्रष्टाचार के खिलाफ यह 16वीं प्राथमिकी दर्ज की गई है। इनमें 14 ट्रैप कांड शामिल हैं, जिनमें अब तक कुल 11 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इन मामलों में अब तक 7 लाख 15 हजार रुपये रिश्वत की राशि बरामद की गई है।

निःशुल्क नेत्र जांच शिविर में 90 मरीजों ने लिया परामर्श

बीएनएम @ गयाजी

मानपुर दुर्गा स्थान के पास पूर्व पार्षद उषा वर्मा के सहयोग से वैष्णवी हॉस्पिटल तुतवाडी गयाजी के द्वारा एक कैम्प का आयोजन किया गया। कैम्प आयोजन का मुख्य उद्देश्य आंखों के मुफ्त आपरेशन किया जा के। आंख के डॉ प्रमोद कुमार अपने टीम के साथ पहूंचे और 90 व्यक्तियों की आंखों का जांच किए। जिनका मोतियाबिंद ऑपरेशन के लायक थे उनके के लिए सवारी वाहन शाम भेजा जाएगा और रात्रि में वैष्णवी हॉस्पिटल में आपरेशन करके अगले दिन उन्हें अपने घर तक पहूंचाया जाएगा।डॉ प्रमोद कुमार ने बताया कि इस क्षेत्र में निरंतर शिविर आयोजित कर प्रत्येक जरूरतमंदों तक पहुंच बनाई जाएगी और सबको निःशुल्क आंखों का आपरेशन कर उनकी आंखों को पुनः पहले जैसे स्वरूप प्रदान किया जाएगा।इस मौके पर पूर्व पार्षद उषा वर्मा, किसान नेता इन्द्रदेव विद्रोही, अमित सिन्हा एवं शिव कुमार गुप्ता मौजूद थे।

सलहाँ गांव में विशेष पशु चिकित्सा शिविर आयोजित, 218 पशुओं का उपचार

बीएनएम @अरेराज

पूर्वी चंपारण जिले के जिला पशुपालन पदाधिकारी के निर्देश पर अरेराज प्रखंड के मुड़ा पंचायत अंतर्गत सलहाँ गांव में विशेष पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। एम्बुलेटरी वैन के माध्यम से आयोजित इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के पशुपालकों को उनके घर के पास ही उन्नत चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना था। शिविर का संचालन मलाही के भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रूपेश कुमार तथा अरेराज के भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान विशेषज्ञों ने पशुओं के स्वास्थ्य की जांच कर पशुपालकों को आवश्यक चिकित्सीय परामर्श दिया। कार्यक्रम में करीब 40 पशुपालक अपने पशुओं के साथ पहुंचे, जहां कुल 218 छोटे और बड़े पशुओं का उपचार किया गया। पशुपालन विभाग की ओर से सभी पशुओं के लिए निःशुल्क दवाओं का वितरण भी किया गया। शिविर में अधिकारियों ने पशुपालकों को विभाग द्वारा संचालित विभिन्न लाभकारी योजनाओं की जानकारी दी और आधुनिक पशुपालन तकनीकों के बारे में जागरूक किया, ताकि पशुपालक अपनी आय में वृद्धि कर सकें। स्थानीय ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे पशुधन संरक्षण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

सड़क और हवाई अड्डा विस्तार के लिए भू-अर्जन प्रक्रिया में लाएं तेजीः डीएम

बीएनएम @ गयाजी

भिंडस मोड़-वनगंगा सड़क चौड़ीकरण को मिली रफ्तार

गया के जिलाधिकारी शशांक शुभंकर ने जिले की दो अत्यंत महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं—सड़क चौड़ीकरण और हवाई अड्डा विस्तार—की प्रगति की समीक्षा की और भू-अर्जन प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए।गया-बिहार शरीफ मार्ग पर बड़ी राहत गया के भिंडस मोड़ से वनगंगा तक 34.88 किलोमीटर लंबी सड़क के चौड़ीकरण की योजना तैयार है। इस परियोजना के पूरा होने से गया, हिसुआ, राजगीर और बिहार शरीफ के बीच का सफर न केवल सुगम होगा, बल्कि समय की भी भारी बचत होगी। परियोजना के लिए 27 मौजों की कुल 49 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया जाना है, जिससे 798 रैयत प्रभावित होंगे। जिलाधिकारी ने जिला भू-अर्जन पदाधिकारी को तत्काल प्रारंभिक सूचना प्रकाशित करने और अंचलाधिकारियों को रैयतों के कागजात अपडेट कर दावा-आपत्ति प्राप्त करने का निर्देश दिया है ताकि गजट प्रकाशन का काम तेजी से हो सके।अंतरराष्ट्रीय मानकों पर विकास गया अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को और अधिक सुरक्षित और आधुनिक बनाने के लिए 'कैट-01 लाइट' प्रणाली हेतु 18.2442 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया जाना है। अंतरराष्ट्रीय बौद्ध पर्यटन केंद्र होने के कारण गया के लिए यह विस्तार सामरिक और आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इस योजना के तहत कुल 49 रैयत शामिल हैं। डीएम ने नगर एवं बोधगया अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया है कि रैयतों के दस्तावेज अद्यतन करते हुए जल्द से जल्द गजट प्रकाशन की कार्रवाई सुनिश्चित करें ताकि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के परिचालन में कोई बाधा न आए।

शराब के साथ धंधेबाज गिरफ्तार,बाइक जब्त

बीएनएम @ बगहा

बगहा पुलिस जिला के नदी थाना की पुलिस इन दिनों शराब तस्करों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ बेहद सख्त रुख अपनाए हुए है। रविवार शाम थानाध्यक्ष दीपक कुमार प्रसाद के नेतृत्व में पुलिस ने वीरता दियारे में गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की। इस कार्रवाई के दौरान उत्तर प्रदेश से बाइक पर लादकर लाई जा रही 175 बोतल (35 लीटर) देशी शराब बरामद की गई।पुलिस ने मौके से एक धंधेबाज को गिरफ्तार किया, जिसकी पहचान बलुआ गांव निवासी लालबाबू कुशवाहा के रूप में हुई है। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त बाइक को भी जब्त कर लिया है। आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर सोमवार को उसे जेल भेज दिया गया। नदी थाना पुलिस की इस निरंतर कार्रवाई से क्षेत्र के शराब धंधेबाजों में हड़कंप मचा हुआ है|

बिहार निवेश प्रोत्साहन बोर्ड ने 1191 करोड़ की परियोजनाओं को दी मंजूरी

वैशाली में दवा इकाई और भागलपुर में बनेगा आधुनिक अस्पताल

» स्वास्थ्य और सेवा क्षेत्र में लगेंगे 1100 करोड़ से अधिक

बीएनएम @ पटना

बिहार को औद्योगिक केंद्र बनाने की दिशा में राज्य सरकार को उल्लेखनीय सफलता मिली है। बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन पैकेज (BIIPP) 2025 के माध्यम से निवेश के प्रस्तावों में भारी उछाल आया है। हाल ही में निवेश प्रोत्साहन बोर्ड ने 47 कंपनियों के कुल 1191 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को प्रथम चरण की मंजूरी प्रदान की है। यह प्रारंभिक स्वीकृति राज्य में औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे अब कंपनियां अपनी औपचारिकताएं पूरी कर निर्माण कार्य आरंभ कर सकेंगी।ये निवेश प्रस्ताव मुख्य रूप से स्वास्थ्य सेवा, पर्यटन और अन्य सेवा क्षेत्रों से संबंधित हैं, जिनसे राज्य में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और स्थानीय अर्थव्यवस्था सशक्त होगी। स्वास्थ्य के क्षेत्र में विशेष रूप से बड़े निवेश सामने आए हैं, जिसमें एक निजी समूह द्वारा 150 सीटों वाला चिकित्सा महाविद्यालय स्थापित करने की योजना सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त, भागलपुर में लगभग 48.87 करोड़ रुपये की लागत से 60 बिस्तरों वाला आधुनिक चिकित्सालय बनाने का प्रस्ताव दिया गया है। औषधि निर्माण के क्षेत्र में भी प्रगति दिख रही है, जहाँ वैशाली में 105 करोड़ रुपये के निवेश से विशेष दवा निर्माण इकाई लगाने की तैयारी है। राज्य सरकार की नीतियों के कारण निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार हुआ है, जिससे बिहार अब उद्योग और सेवा क्षेत्र में एक उभरते हुए गंतव्य के रूप में स्थापित हो रहा है।

टेंडर के बाद भी क्यों नहीं बना 100 बेड का अस्पताल?ः विधायक

स्वास्थ्य व्यवस्था पर बरसे विधायक सुरेंद्र प्रसाद

बीएनएम @ बगहा

वाल्मीकिनगर से कांग्रेस विधायक सुरेंद्र प्रसाद ने बिहार विधानसभा के बजट सत्र में अपने क्षेत्र की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने विशेष रूप से गंडक पार के प्रखंडों—ठकराहा, मधुबनी और पिपरासी—की उपेक्षा पर सरकार को घेरा। विधायक ने बताया कि इन क्षेत्रों में नवनिर्मित स्वास्थ्य केंद्रों के भवन तो खड़े हैं, लेकिन वहां महिला डॉक्टरों, नर्सों और एम्बुलेंस जैसी बुनियादी सुविधाओं का भारी अभाव है। मधुबनी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि 1.20 लाख की आबादी पर मात्र एक एमबीबीएस डॉक्टर तैनात है, जो जनता के साथ अन्याय है।इसके अतिरिक्त, विधायक ने बगहा अनुमंडलीय अस्पताल के जर्जर भवन और 100 बेड वाले नए अस्पताल के निर्माण में हो रही देरी पर भी तीखे सवाल किए। उन्होंने पूछा कि 2025 में 29.99 करोड़ का टेंडर होने के बावजूद अब तक काम शुरू क्यों नहीं हुआ? इसके जवाब में स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने रिक्त पदों पर बहाली की प्रक्रिया (11,389 नर्स और 624 विशेषज्ञ डॉक्टर) जल्द पूरी करने का आश्वासन दिया। सुरेंद्र प्रसाद ने कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट किया कि जब तक गंडक पार की जनता को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं नहीं मिल जातीं, वे सदन में अपनी आवाज बुलंद करते रहेंगे।

युवाओं को सीधे रोजगार उपलब्ध कराना ही राष्ट्र निर्माण : प्रेम कुमार

बीएनएम @ गयाजी

हंसराज पब्लिक स्कूल में उमड़ा युवाओं का सैलाब

बोधगया स्थित हंसराज पब्लिक स्कूल के परिसर में हाल ही में एक विशाल रोजगार मेले का सफल आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 15,000 अभ्यर्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस मेले के माध्यम से 5,000 से अधिक युवाओं का चयन विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में हुआ, जिन्हें बैंकिंग, आईटी, ऑटोमोबाइल और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में करियर बनाने का अवसर मिला।कार्यक्रम का उद्घाटन बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने किया। उन्होंने युवाओं को राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजन 'आत्मनिर्भर बिहार' के संकल्प को सिद्ध करने में मील का पत्थर हैं। एक ही मंच पर इतनी बड़ी संख्या में नियुक्तियां होना मगध क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि है।इस अवसर पर बिहार भाजपा उपाध्यक्ष संतोष पाठक और अतरी विधायक रोमित कुमार भी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि यह आयोजन मनीष कश्यप के विशेष प्रयासों का परिणाम था, जो पिछले दो वर्षों से मगध क्षेत्र में लगातार रोजगार मेलों का सफल आयोजन कर युवाओं को सशक्त बना रहे हैं।

होली पर भीड़ नियंत्रित करने के लिए पटरी पर उतरेंगी 1,410+ ट्रेनें

» होली पर घर जाना होगा आसान

बीएनएम @ पटना

होली के पावन अवसर पर घर जाने वाले यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए भारतीय रेलवे ने व्यापक तैयारियाँ की हैं। यात्रियों की सुविधा और सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए इस वर्ष देशभर में 1,410 से अधिक होली स्पेशल ट्रेनें चलाने की घोषणा की गई है। यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए इन ट्रेनों की संख्या को बढ़ाकर 1,500 तक पहुँचाया जा सकता है। रेलवे का यह निर्णय विशेष रूप से बिहार, उत्तर प्रदेश और पूर्वी भारत के उन लाखों प्रवासी कामगारों और छात्रों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है, जो त्योहार मनाने अपने घर लौटते हैं।रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इन विशेष ट्रेनों का संचालन फरवरी के अंत से शुरू होकर मार्च के अंत तक जारी रहेगा। पिछले वर्ष की तुलना में इस बार रेलवे अधिक सक्रिय दिख रहा है, क्योंकि बीते साल होली पर 1,144 स्पेशल ट्रेनें ही चलाई गई थीं। इस बार ट्रेनों की संख्या में की गई यह उल्लेखनीय वृद्धि न केवल स्टेशनों पर भीड़ को नियंत्रित करने में सहायक होगी, बल्कि यात्रियों को कंफर्म टिकट मिलने की संभावना भी बढ़ेगी। प्रमुख रेल मार्गों पर अतिरिक्त फेरों और विशेष बोगियों की व्यवस्था से आम जनता की होली की यात्रा सुखद होने की उम्मीद है।

अमल की ताक में अदालत के महत्त्वपूर्ण आदेश

आरटीई कानून लागू हुए 16 वर्ष गुजर गए हैं। सुप्रीम कोर्ट के ताजा आदेश से जाहिर है कि सरकारों ने उस धारा के तहत अपने दायित्व को नहीं निभाया। यानी लड़कियों के लिए अलग शौचालय की जरूरत पूरी नहीं की गई। सुप्रीम कोर्ट की इस व्याख्या का ऊंचा सैद्धांतिक महत्त्व है कि मासिक धर्म संबंधी स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संविधान प्रदत्त जीवन के मौलिक अधिकार का अभिन्न अंग है। न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की खंडपीठ ने कहा कि स्कूलों में लड़कियों को इससे संबंधित सुविधाएं मिलें, यह सरकारों को सुनिश्चित करना चाहिए। इस सिलसिले में लड़के, लड़कियों, और ट्रांसजेंडर्स के लिए अलग शौचालय बनाने तथा लड़कियों को सेनेटरी पैड मुहैया कराने के निर्देश दिए गए हैं। कोर्ट की ये राय सटीक है कि मासिक धर्म संबंधी स्वास्थ्य के सुरक्षित, प्रभावी, और किफायती उपाय उपलब्ध ना होने पर लड़कियों की गरिमा प्रभावित होती है। इसलिए अदालत ने इन सुविधाओं को संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत बालिकाओं का मौलिक अधिकार बना दिया है। यानी न्यायालय ने जीवन के अधिकार संबंधी अनुच्छेद का विस्तार किया है। ठीक ऐसा ही विस्तार एक दशक पहले कोर्ट की एक संविधान पीठ ने किया था, जब निजता को नागरिकों का मौलिक अधिकार घोषित किया गया। दरअसल, गुजरे दशकों में कोर्ट ने अपने कई महत्त्वपूर्ण निर्णयों एवं व्याख्याओं के जरिए नागरिक समाज के विभिन्न समूहों के मौलिक अधिकारों का विस्तार किया है। लेकिन बात घूम-फिर कर अमल पर आ जाती है। पूर्व निर्णय से निजता कितनी सुरक्षित हुई? खुद संसद ने जीवन के बुनियादी हक संबंधी अनुच्छेद 21 में उपधारा 21-ए जोड़कर प्राथमिक शिक्षा को बच्चों का मूल अधिकार बनाया था। उसके तहत स्कूल को खास ढंग से परिभाषित किया गया, जिसमें लड़कियों के लिए अलग से शौचालय की अनिवार्यता उपलब्धता शामिल है। यह कानून लागू हुए 16 वर्ष गुजर गए हैं। सुप्रीम कोर्ट के ताजा आदेश से जाहिर है कि सरकारों ने उस धारा के तहत अपने दायित्व को नहीं निभाया। यानी ये जरूरत पूरी नहीं की गई। तो नए आदेश पर पालन सुनिश्चित कौन कराएगा? इसका उल्लंघन होने पर जवाबदेही कैसे तय होगी? यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अनेक संवैधानिक प्रावधान, कानून, और सर्वोच्च अदालत के महत्त्वपूर्ण आदेश आज भी अमल की ताक में हैं।

आखिर क्यों चर्चा में है खेजड़ी बचाओ जन-आंदोलन

सुनील कुमार महला

इन दिनों राजस्थान में खेजड़ी बचाओ जन-आंदोलन खास चर्चा में है। दरअसल, खेजड़ी बचाओ जन-आंदोलन राजस्थान के राज्य वृक्ष 'खेजड़ी' के संरक्षण के लिए, चलाया जा रहा एक जन-आंदोलन है। वास्तव में यह आंदोलन सोलर कंपनियों द्वारा पेड़ों की कटाई के कारण चर्चा में आया। आंदोलनकारियों का आरोप है कि राजस्थान के बीकानेर और आसपास के इलाकों में सोलर पावर प्रोजेक्ट्स स्थापित करने के लिए कंपनियां बड़े पैमाने पर खेजड़ी के पेड़ों की कटाई कर रही हैं। यह भी आरोप लगाया गया कि पकड़े जाने के डर से पेड़ों को रात के अंधेरे में काटकर जमीन में दबा दिया जाता है। आंदोलनकारियों की मुख्य मांगें स्पष्ट हैं। वे पूरे राजस्थान में खेजड़ी की कटाई पर पूर्ण प्रतिबंध चाहते हैं। इसके साथ ही राज्य में एक प्रभावी 'ट्री प्रोटेक्शन एक्ट' लागू करने की मांग की जा रही है, जिसमें अवैध कटाई पर भारी जुर्माने (1 लाख तक) और जेल की सजा का प्रावधान हो। आंदोलनकारियों का यह भी कहना है कि सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए ऐसी जमीनों का ही आवंटन किया जाए, जहां पहले से हरे-भरे पेड़ मौजूद न हों। यहां पाठकों को बताना जरूरी है कि इस आंदोलन की मुख्य और प्रभावी शुरुआत हाल ही में 2 फरवरी 2026 को राजस्थान के बीकानेर जिले से हुई। हालांकि बीकानेर कलेक्ट्रेट और करणीसर भाटियान क्षेत्र में पिछले लगभग एक महीने से शांतिपूर्ण धरने और प्रदर्शन चल रहे थे, लेकिन फरवरी 2026 के पहले सप्ताह में इसे 'महा-आंदोलन' का रूप मिला।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार 2 फरवरी 2026 को बीकानेर के पॉलिटेक्निक कॉलेज मैदान में हजारों पर्यावरण प्रेमियों, संतों और बिश्नोई समाज के लोगों का विशाल 'महापड़ाव' शुरू हुआ। इस दिन बीकानेर के बाजार पूरी तरह बंद रहे और स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया। इसके अगले दिन, 3 फरवरी 2026 को, कलेक्ट्रेट के सामने 363 संतों और पर्यावरण प्रेमियों ने आंखों पर पट्टी बांधकर 'आमरण अनशन' प्रारंभ किया। यह संख्या ऐतिहासिक खेजड़ली बलिदान की स्मृति में प्रतीकात्मक रूप से चुनी गई थी। मीडिया में उपलब्ध जानकारी के अनुसार 5 और 6 फरवरी 2026 को आंदोलन के बढ़ते दबाव के बीच राज्य के उद्योग मंत्री के.के. बिश्नोई धरना स्थल पर पहुंचे। सरकार की ओर से जोधपुर और बीकानेर संभाग में खेजड़ी की कटाई पर तत्काल लिखित प्रतिबंध लगाने तथा विधानसभा में सख्त 'ट्री प्रोटेक्शन एक्ट' लाने के आश्वासन के बाद आमरण अनशन समाप्त किया गया। यह भी उल्लेखनीय है कि इस जन-आंदोलन का मुख्य केंद्र बीकानेर रहा, लेकिन इसकी गूंज पूरे पश्चिमी राजस्थान(जोधपुर, जैसलमेर और बाड़मेर) में विशेष रूप से सुनाई दी। इस आंदोलन में न केवल राजस्थान, बल्कि हरियाणा, पंजाब और मध्य प्रदेश से भी बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। आंदोलन को पूर्व मुख्यमंत्रियों वसुंधरा राजे और अशोक गहलोत तथा हनुमान बेनीवाल जैसे प्रमुख नेताओं का भी समर्थन मिला, जिससे यह आंदोलन एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनकर उभरा। फिलहाल आमरण अनशन समाप्त हो चुका है, लेकिन आंदोलनकारियों ने साफ चेतावनी दी है कि जब तक विधानसभा में कानून पारित नहीं हो जाता, तब तक उनका प्रतीकात्मक धरना यानी 'महापड़ाव' जारी रहेगा। उनकी मांग है कि खेजड़ी कटाई पर लगाया गया प्रतिबंध पूरे राजस्थान में प्रभावी रूप से लागू किया जाए। यहां पाठकों को यह भी बताना आवश्यक है कि खेजड़ी संरक्षण का इतिहास राजस्थान की मिट्टी में गहराई से जुड़ा हुआ है। अमृता देवी बिश्नोई के नेतृत्व में वर्ष 1730 ईस्वी में 363 लोगों ने हरे पेड़ों को बचाने के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे। इन बलिदानियों में 69 महिलाएं और 294 पुरुष शामिल थे। खेजड़ली (जोधपुर) का यह बलिदान, वर्ष 1730 ईस्वी (विक्रम संवत 1787) में घटित, विश्व इतिहास की सबसे महान पर्यावरण संरक्षण घटनाओं में गिना जाता है। यह पेड़ों की रक्षा के लिए दिया गया पहला और सबसे बड़ा सामूहिक बलिदान माना जाता है। इतिहास बताता है कि जोधपुर के तत्कालीन महाराजा अभय सिंह को अपने नए महल के निर्माण हेतु चूना पकाने के लिए बड़ी मात्रा में लकड़ी की आवश्यकता थी। इसके लिए उनके कारिंदे गिरधारी दास सैनिकों के साथ खेजड़ली गांव पहुंचे और खेजड़ी के हरे पेड़ों को काटने लगे। इसका अमृता देवी बिश्नोई ने कड़ा विरोध किया। उन्होंने सैनिकों को चुनौती देते हुए ऐतिहासिक नारा दिया-सिर साठे रूंख रहे, तो भी सस्तो जाण। अर्थात यदि सिर कटने के बाद भी एक पेड़ बचता है, तो यह सौदा भी सस्ता ही समझा जाना चाहिए। पेड़ों को बचाने के लिए अमृता देवी सबसे पहले खेजड़ी के पेड़ से लिपट गईं। सैनिकों ने पेड़ के साथ उन्हें भी काट दिया। उनके बाद उनकी तीन बेटियां-आसू, रत्नी और भागू-और फिर उनके पति ने भी अपने प्राणों की आहुति दी। यह दृश्य देखकर पूरे गांव और आसपास के 84 गांवों के लोग उमड़ पड़े और एक-एक करके पेड़ों से लिपटते चले गए। जब महाराजा अभय सिंह को इस भीषण नरसंहार की जानकारी मिली, तो उन्होंने तुरंत पेड़ों की कटाई रुकवाई और भविष्य के लिए एक ताम्रपत्र यानी राजकीय आदेश जारी किया, जिसमें बिश्नोई बहुल क्षेत्रों में कभी भी हरे पेड़ न काटे जाने का निर्देश दिया गया। यह भी उल्लेखनीय है कि आधुनिक काल का 'चिपको आंदोलन', जिसके प्रणेता सुंदरलाल बहुगुणा थे, इसी खेजड़ली बलिदान से प्रेरित माना जाता है। भारत सरकार और राजस्थान सरकार पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को अमृता देवी के नाम पर 'अमृता देवी वन्य जीव पुरस्कार' (राष्ट्रीय पुरस्कार) भी प्रदान करती हैं। खेजड़ली गांव में आज भी एक भव्य शहीद स्मारक स्थित है, जहां हर वर्ष भाद्रपद शुक्ल दशमी को विश्व का एकमात्र 'वृक्ष मेला' आयोजित किया जाता है। अंत में यह कहना उचित होगा कि खेजड़ी का केवल पर्यावरणीय ही नहीं, बल्कि ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व भी है। यह आंदोलन केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं है, बल्कि राजस्थान की संस्कृति और आस्था से गहराई से जुड़ा हुआ है। खेजड़ी राजस्थान का राज्य वृक्ष है, जिसका वैज्ञानिक नाम 'प्रोसोपिस सिनेरेरिया' है। इसे 'रेगिस्तान का कल्पवृक्ष' कहा जाता है और यह थार मरुस्थल की पारिस्थितिकी की रीढ़ की हड्डी मानी जाती है। गौरतलब है कि राजस्थान सरकार ने 31 अक्टूबर 1983 को खेजड़ी को राज्य वृक्ष घोषित किया था। इसका उद्देश्य थार मरुस्थल के पारिस्थितिकी तंत्र में इसके महत्व को देखते हुए इसके संरक्षण को बढ़ावा देना था। यदि हम खेजड़ी वृक्षों से जुड़े आंकड़ों की बात करें, तो सरकार या किसी अन्य विश्वसनीय स्रोत द्वारा राज्य में खेजड़ी के कुल वृक्षों की वर्तमान आधिकारिक संख्या का कोई विस्तृत और ताजा डेटा सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है। हालांकि कुछ हालिया रिपोर्टों और विधायकों के बयानों से इसकी स्थिति का अनुमान लगाया जा सकता है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार राजस्थान विधानसभा में एक स्थानीय विधायक ने यह बयान दिया कि पश्चिमी राजस्थान में पिछले 15 वर्षों में लगभग 26 लाख से अधिक खेजड़ी के पेड़ काटे जा चुके हैं और भविष्य में करीब 50 लाख खेजड़ी पेड़ों की कटाई की तैयारी बताई जा रही है। ये आंकड़े इस बात का संकेत देते हैं कि हजारों से लाखों की संख्या में खेजड़ी वृक्ष अभी भी मौजूद हैं, लेकिन उनका अस्तित्व गंभीर खतरे में है। हालांकि, यहां राहत की बात यह है कि खेजड़ी संरक्षण के प्रयास भी जारी हैं। इसी क्रम में पाठकों को जानकारी देना आवश्यक है कि एक प्रतिष्ठित अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र के अनुसार राज्य में सोलर ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण के संतुलन को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2028 तक 10 लाख (एक मिलियन) नए खेजड़ी वृक्ष लगाने का लक्ष्य घोषित किया गया है। इसका उद्देश्य राज्य में खेजड़ी की कुल संख्या बढ़ाना है। आज भी पश्चिमी राजस्थान में लाखों खेजड़ी के पेड़ मौजूद हैं, लेकिन बड़ी संख्या में इन्हें काटा जा चुका है और भविष्य में कटाई की आशंका भी बनी हुई है। वास्तव में खेजड़ी बचाओ आंदोलन राजस्थान में खेजड़ी वृक्ष के संरक्षण के लिए चल रहा एक पर्यावरणीय और सामाजिक आंदोलन है। इसका मूल कारण खेजड़ी की अंधाधुंध कटाई और उससे हो रहे पर्यावरणीय नुकसान के खिलाफ जन-आक्रोश है। आंदोलनकारियों की प्रमुख मांग कानूनी सुरक्षा और प्रभावी रोक की है। सामाजिक और राजनीतिक समर्थन, आमरण अनशन तथा सरकार की ओर से दिए गए आश्वासनों के कारण यह आंदोलन राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में बना हुआ है। निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि खेजड़ी केवल एक पेड़ नहीं, बल्कि मरुस्थल की जीवनरेखा है।

आर्थिक चुनौतियों से अवसर तक की रणनीतिक यात्रा है भारत-अमेरिका ट्रेड डील

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत और अमेरिका के बीच हाल ही में हुई ट्रेड डील (व्यापार समझौता) को लेकर देश की राजनीति में बहस तेज है। कांग्रेस और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी जैसे विपक्षी दल इस समझौते को भारत विरोधी करार दे रहे हैं, किंतु आर्थिक तथ्यों और हालिया परिस्थितियों का विश्लेषण यह संकेत देता है कि यह समझौता भारत के हितों को ध्यान में रखकर किया गया एक रणनीतिक और व्यावहारिक कदम है। विशेष रूप से उस समय जब अमेरिका द्वारा बढ़ाए गए टैरिफ ने भारतीय अर्थव्यवस्था को गंभीर नुकसान पहुंचाया। वस्तुतः यह समझौता नुकसान की भरपाई और भविष्य की स्थिरता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास के रूप में देखा जाना चाहिए। टैरिफ का आर्थिक झटका और भारत की चुनौती अमेरिका द्वारा पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देश पर भारत के कई उत्पादों पर 25 फीसद से 50 फीसद तक टैरिफ बढ़ाए जाने का असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर गहरा पड़ा। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाजार रहा है, जहां से भारत को लगभग 86.5 अरब डॉलर का वार्षिक निर्यात मिलता है। मई से अक्टूबर 2025 के बीच निर्यात में 28.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जोकि 8.83 अरब डॉलर से घटकर 6.31 अरब डॉलर तक पहुंच गया। टेक्सटाइल, ज्वेलरी, इंजीनियरिंग सामान और स्टील जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर इसका सीधा असर पड़ा। विशेष रूप से टेक्सटाइल, जूते, मणि-मोती और सीफूड जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों में गिरावट अधिक रही, क्योंकि इन उत्पादों का बड़ा हिस्सा 50 फीसद टैरिफ के दायरे में आ गया। अनुमान है कि 60.2 अरब डॉलर के निर्यात पर 50 प्रतिशत टैरिफ लागू होने से लगभग 30 अरब डॉलर यानी करीब 2.5 लाख करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष नुकसान हुआ। यदि व्यापक आर्थिक प्रभावों का आकलन किया जाए तो यह नुकसान शेयर बाजार में गिरावट, विदेशी निवेश का पलायन, रुपये की कमजोरी और जीडीपी वृद्धि में कमी जैसे कई अप्रत्यक्ष नुकसान के रूप में भी सामने आया। जुलाई 2025 में 25 फीसद टैरिफ की घोषणा के बाद निफ्टी और सेंसेक्स में 3–5 प्रतिशत की गिरावट आई। विदेशी निवेशकों ने नौ दिनों में 27,000 करोड़ रुपये और पूरे महीने में 42,000 करोड़ रुपये तक निकाले। वर्ष 2025 में कुल एफआईआई आउटफ्लो 1.7 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया था। रुपये की गिरावट और बढ़ता आयात बोझ टैरिफ का एक और बड़ा असर भारतीय रुपये पर पड़ा। अगस्त 2025 में रुपया 88.31 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर तक पहुंच गया। यदि पहले के स्तर 83–84 रुपये प्रति डॉलर से तुलना की जाए, तो लगभग 5 रुपये की गिरावट ने भारत के आयात बिल पर सालाना 4–5 लाख करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ डाल दिया। फरवरी 2026 तक रुपये की गिरावट से जुड़े कुल नुकसान का अनुमान लगभग 8.3 लाख करोड़ रुपये तक लगाया गया। यह स्थिति सिर्फ विदेशी व्यापार तक सीमित नहीं रही, इसका असर घरेलू महंगाई, उत्पादन लागत और उपभोक्ता मांग पर भी पड़ा। गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और कर्नाटक जैसे औद्योगिक राज्यों के एमएसएमई सेक्टर पर विशेष दबाव देखा गया, जहां लाखों नौकरियां जोखिम में आ गईं। जीडीपी पर असर और कुल आर्थिक नुकसान भारत की जीडीपी 2024-25 में 330.68 लाख करोड़ रुपये थी और 2025-26 में इसके 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़कर 357.14 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। लेकिन बढ़े हुए टैरिफ के कारण जीडीपी वृद्धि में 0.4 फीसद से एक प्रतिशत तक की कमी का अनुमान लगाया गया। 0.5 फीसद की कमी का मतलब लगभग 1.8 लाख करोड़ रुपये का सीधा नुकसान है। यदि निर्यात हानि (2.5 लाख करोड़ रुपये), एफआईआई आउटफ्लो (1.7 लाख करोड़ रुपये), रुपये की गिरावट (4 लाख करोड़ रुपये) और जीडीपी नुकसान (करीब 2 लाख करोड़ रुपये) को जोड़कर देखा जाए, तब उस स्थिति में फरवरी 2026 तक कुल आर्थिक नुकसान लगभग 10 लाख करोड़ रुपये के आसपास आंका गया है। यह एक बड़ा संकेत है कि वैश्विक व्यापार नीतियों में बदलाव का असर भारत जैसे विकासशील देश पर कितना गहरा हो सकता है। यही वह संदर्भ है जिसमें भारत-अमेरिका ट्रेड डील का महत्व समझा जाना चाहिए। आज ये समझौता व्यापार बढ़ाने का माध्यम तो है ही, साथ में आर्थिक नुकसान को रोकने और स्थिरता लाने की रणनीति भी है। खास बात यह है कि भारत ने यह समझौता अपनी शर्तों पर किया है, विशेष रूप से कृषि क्षेत्र में। अमेरिका लंबे समय से चाहता था कि भारत अपने कृषि बाजार को अधिक खोल दे, किंतु भारत ने अपने किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए उन शर्तों को स्वीकार नहीं किया। वस्तुतः यह दृष्टिकोण इस बात का संकेत है कि भारत व्यापारिक समझौतों में अपनी प्राथमिकताओं को प्राथमिकता दे रहा है। यह नई आत्मनिर्भरता की परिभाषा है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इस समझौते को दोनों देशों के लिए संभावनाओं से भरा बताया है। उनका मानना है कि अगले 5–6 वर्षों में भारत और अमेरिका के बीच व्यापार 500 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। यह तकनीक और निवेश के नए रास्ते खोलने वाला कदम है। विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा सेंटर जैसे उभरते क्षेत्रों में इस डील से बड़े निवेश की संभावना है। इससे भारत वैश्विक सप्लाई चेन में अपनी स्थिति मजबूत कर सकेगा और 'मेक इन इंडिया' अभियान को नई गति मिलेगी। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) का मानना है कि इस समझौते से एमएसएमई सेक्टर को अमेरिकी बाजार में नए अवसर मिलेंगे। कपड़ा, चमड़ा, ज्वेलरी, सस्ती दवाइयां, ऑटोमोबाइल और इंजीनियरिंग सामान जैसे क्षेत्रों में भारतीय उत्पाद अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकेंगे। इससे उत्पादन बढ़ेगा और युवाओं व महिलाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। एमएसएमई भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। यदि इस सेक्टर को स्थिर और बड़ा बाजार मिलता है, तो इसका असर सीधे तौर पर रोजगार और आय पर पड़ेगा। रणनीतिक संतुलन और आत्मनिर्भरता प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार समिति के सदस्य संजीव सान्याल ने स्पष्ट किया है कि भारत अब हर चीज खुद बनाने के पुराने मॉडल से आगे बढ़ चुका है। अब आत्मनिर्भरता का मतलब है कि जो चीजें रणनीतिक रूप से जरूरी हैं, उन्हें देश में मजबूत किया जाए और बाकी क्षेत्रों में वैश्विक सहयोग लिया जाए। यह दृष्टिकोण बताता है कि भारत अब वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी भूमिका को समझते हुए व्यवहारिक और संतुलित निर्णय ले रहा है। सस्ती ऊर्जा, सस्ते संसाधन और मजबूत व्यापारिक संबंध भारत की प्राथमिकता हैं। इसलिए जब हम आर्थिक आंकड़ों और वास्तविक परिस्थितियों को देखते हैं, तो स्पष्ट होता है कि यह ट्रेड डील भारत के लिए एक रक्षात्मक और आक्रामक दोनों तरह की रणनीति का हिस्सा है। ऐसे में कहना यही होगा कि एक ओर यह टैरिफ से हुए भारी नुकसान को कम करने का प्रयास है, तो दूसरी ओर यह भविष्य में निवेश, तकनीक और निर्यात के नए अवसर खोलने वाला कदम है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत ने अपने कृषि हितों से समझौता किए बिना यह समझौता किया है, इसलिए यह कहना अधिक उचित होगा कि यह डील व्यापारिक समझौता से अधिक भारत की आर्थिक कूटनीति का परिपक्व उदाहरण है,

आज का राशिफल

मेष राशिः आज लोगों का विश्वास आपमें बना रहेगा। उच्च शिक्षा प्राप्ति के इच्छुक छात्र के लिए समय बहुत अनुकूल है। आज छोटे भाई की तरफ से शुभ समाचार मिलेगा। परिवार में खुशी का वातावरण बना रहेगा। जीवनसाथी के संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। इस राशि के लवमेट आज एक दूसरे को कुछ गिफ्ट देंगे जो प्यार में दोगुना बढ़ोतरी होगी। इस राशि के जो लोग लोहे का बिजनेस से जुड़े है आज के दिन उन्हें अधिक मुनाफा मिलने वाला है।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। इस राशि के जो लोग आर्किटेक क्षेत्रों से जुड़े हैं,उनके लिए आज का दिन प्रगति देने वाला है। किसानों को आज कुछ फायदा हो सकता है। फसल के बिक्री से संबंधी मनचाही रकम जमींदार से मिल सकती है। जो लोग नया बिजनेस शुरू करना चाहते है उनके लिए आज का दिन बहुत अच्छा है। आज जो भी काम शुरू करेंगे उसमें सफलता मिलनी तय है।

मिथुन राशिः आज आप दूसरों की मदद करने के लिए तैयार रहेंगे। उनकी दुआओं का असर शाम तक आपको जरूर मिलेगा। ऑफिस में आज कुछ नयी जिम्मेदारियां आपको मिल सकती हैं । जिसे लेकर आस-पास के लोगों से विचार-विमर्श कर सकते हैं। पारिवारिक समस्याओं को दूर करने के लिए घर के सभी सदस्यों की राय जरूर लें।

कर्क राशिः आज आपका दिन ठीक रहेगा। किसी जरूरी काम को पूरा करने में आ रही अड़चने आज दूर हो जाएंगी। आज किसी ऐसे मित्र की मदद करेंगे जो भविष्य में आपकी मदद कर सकता हैं। अगर आपने हाल में किसी काम की शुरूआत की है तो आज उसका सकारात्मक परिणाम आपको मिलेगा। बड़ा ऑफर मिलने से आपको धनलाभ होगा, भाग्य का साथ मिलेगा।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा है। जिस अच्छे मौके की आप कई दिनों से इंतजार कर रहे थे वो आज पूरा हो जाएगा। ऑफिस में आज रूके हुए काम सीनियर्स की मदद से पूरे हो जाएंगे। हो सकता है आपको पदोन्नत का अवसर भी मिल जाए। इस राशि के बिल्डर्स को आज अचानक से काफी फायदा हो सकता है साथ ही धनलाभ के नये सोर्स बनेंगे।

न्या राशिः आज किस्मत आप पर मेहरबान रहेगी। बिजनेस में दूसरों से बातचीत करने और सलाह करने से आपको फायदा हो सकता है। आर्थिक पारिस्थितियां आज आपके अनुकूल रहेगी। इस राशि के अविवाहितों के लिए आज का दिन काफी अच्छा है। आज आपके लिए शादी का प्रपोजल आएगा। हो सकता है कि रिश्ता फिक्स भी हो जाएं। जिससे घर का माहौल खुशनुमा रहेगा।

तुला राशिः आज आपका आकर्षक बर्ताव दूसरों का ध्यान अपनी तरफ खींचेगा। आज आप परिवार वालों के साथ समय बिताएंगे। साथ ही कहीं घूमने का प्लान भी बना सकते हैं।इससे परिवार के सुख-शांति में वृद्धि होगी। आज अपनी मधुर भाषा के द्वारा आप अपने कार्य दूसरों से करवा सकने में सफल रहेंगे।

वृश्चिक राशिः आज विवाहित अपने जीवनसाथी को अधिक टाइम देंगे तो दोनों के रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। हो सकता है शाम तक किसी समारोह में साथ जाने का भी प्लान बना सकते हैं । आपको अधिक काम होने की वजह से आपको थकावट हो सकती है ।

धनु राशिः आज आपका दिन खास रहेगा। आज अपना व्यवहार लचीला रखें और दूसरों की बातों को समझने की कोशिश करें। इससे भविष्य में आपको ही फायदा होगा। आज व्यवहार कुशलता के कारण ऑफिस में बड़े अधिकारियों से सम्मान मिल सकता है। हो सकता है कि आपका प्रमोशन भी हो जाएं।

मकर राशिः आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आज किसी अन्य से आपकी अनबन हो सकती है। बेहतर होगा आज दूसरों की बात पर भरोसा न करें। महिलाओं को आज कहीं से अचानक धन लाभ हो सकता है। अगर आप नयी जमीन लेना चाह रहे हैं तो आज का दिन शुभ है। लवमेट के लिए आज का दिन बहुत बढ़िया है। बाहर कुछ टाइम स्पेंड करने से आपके रिश्ते मजबूत होंगे।

कुम्भ राशिः आज अपने व्यवहार में आपको थोड़ा परिवर्तन करने की जरूरत है। आपके अच्छे व्यवहार से आस-पास के लोग आपसे खुश रहेंगे साथ ही आपकी अच्छी छवि निखर कर लोगों के सामने आयेगी। ऑफिस के काम से आपको विदेश यात्रा करनी पड़ सकती है।

मीन राशिःआज आपका मन आध्यात्म के प्रति अधिक रहेगा। परिवार वालों के साथ किसी धार्मिक स्थल पर दर्शन के लिए, जा सकते हैं। जिससे परिवार में सभी सदस्यों के रिश्ते मजबूत बनेंगे। इस राशि के लवमेट के लिए आज का दिन अच्छा है। आज किसी अच्छे रेस्टोरेन्ट में लंच करने से रिश्ते मजबूत बनेंगे।

सत्ता का भ्रष्ट बाजार और भारत का नैतिक संकल्प

कैलाश चंद्र

आधुनिक युग में मानवता अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ रही है। वैज्ञानिक नवाचार, आर्थिक विस्तार और राजनीतिक प्रभाव उन ऊंचाइयों तक पहुंच चुके हैं, जिन्हें मानव इतिहास में पहले कभी नहीं देखा गया। राष्ट्र अधिक शक्तिशाली हो गए हैं, तकनीक अधिक बुद्धिमान हो गई है और लोग पहले से कहीं अधिक जुड़े हुए हैं। किंतु इस शक्ति और क्षमता के बढ़ते विस्तार के साथ साथ चरित्र, नैतिकता और मानवीय संवेदनशीलता में एक चिंताजनक गिरावट भी दिखाई दे रही है। आज दुनिया एक विरोधाभासी मोड़ पर खड़ी है, जहां भौतिक प्रगति तेजी से आगे बढ़ रही है, वहीं समाज की नैतिक और आचारिक नींव कमजोर पड़ती जा रही है। सत्ता अपने आप में न तो अच्छी होती है, न बुरी। उसका मूल्य पूरी तरह उस व्यक्ति के चरित्र पर निर्भर करता है जिसके हाथ में वह होती है। जब सत्ता का संचालन बुद्धिमत्ता, सत्यनिष्ठा और करुणा से होता है, तब वह प्रगति, स्थिरता और सामंजस्य का निर्माण करती है, लेकिन जब वह स्वार्थ, लालच और अहंकार के अधीन हो जाती है तो विनाशकारी बन जाती है। सद्गुणों से रहित अधिकार समाज का निर्माण नहीं करता, बल्कि उसे भीतर से तोड़ देता है। यही हमारे समय का मौन संकट है। कोई व्यक्ति कितना भी प्रभावशाली, धनी, शिक्षित या सम्मानित क्यों न बन जाए, यदि उसका नैतिक और सामाजिक चरित्र भ्रष्ट है, तो वह समाज के लिए गंभीर खतरा बन जाता है। इतिहास ने बार बार यह सिद्ध किया है कि सत्ता और धन का दुरुपयोग राष्ट्रों की नींव को कमजोर कर देता है। जब प्रभावशाली पदों पर बैठे लोग सामूहिक हित के बजाय निजी लाभ को प्राथमिकता देने लगें तब भ्रष्टाचार एक रोग की तरह फैलता है। संस्थाएं कमजोर पड़ जाती हैं, विश्वास समाप्त हो जाता है और लोगों का न्याय तथा निष्पक्षता पर भरोसा डगमगाने लगता है। देखने में आज यही आ रहा है कि यह संकट किसी एक देश तक सीमित नहीं है। वैश्विक युग में नैतिक पतन हर महाद्वीप पर दिखाई देता है। धन, प्रसिद्धि और नियंत्रण की अंधी दौड़ ने ऐसी संस्कृति को जन्म दिया है, जहां सफलता का मापदंड अक्सर नैतिक आचरण के बजाय भौतिक उपलब्धियां बन गई हैं। भोगवाद और उपभोक्तावाद जीवनशैली पर हावी हैं। डिजिटल लत ने सार्थक मानवीय संबंधों की जगह ले ली है। कृत्रिम लोकप्रियता ने सच्चे सम्मान को पीछे छोड़ दिया है। संसाधनों की होड़ तीव्र और कई बार निर्मम हो चुकी है। शक्तिशाली राष्ट्र, विशाल कॉरपोरेट साम्राज्य और प्रभावशाली वैश्विक संस्थाएं मानव मूल्यों की रक्षा और विकास को बढ़ावा देने का दावा करती हैं। वे कल्याण, मानवाधिकार और प्रगति की भाषा बोलती हैं। परंतु इस सुसज्जित छवि के पीछे एक चिंताजनक सच्चाई भी छिपी है। अपार धन और संसाधनों ने कई बार इन व्यवस्थाओं को मानवीय पीड़ा के प्रति उदासीन बना दिया है। लालच फैसलों को संचालित करता है। विकास के नाम पर पर्यावरण का विनाश जारी है। तकनीकी प्रगति कई बार मानसिक और सामाजिक बंधन का कारण बन जाती है। आधुनिकीकरण की दौड़ में सांस्कृतिक परंपराएं धीरे -धीरे क्षीण हो रही हैं। मनोरंजन उद्योग पर्दे पर ऐसे अतिरंजित नायकों को महिमामंडित करता है जो दुनिया को बचाते हैं, जबकि वास्तविक दुनिया में होने वाले अनेक कार्य विभाजन, संघर्ष और शोषण को बढ़ावा देते हैं। जो राष्ट्र लोकतंत्र और समानता के मूल्यों का गर्व से गुणगान करते हैं, वे कभी कभी युद्धों, संसाधनों के दोहन और आर्थिक प्रभुत्व में भी भागीदार बनते हैं। शब्दों और कर्मों के बीच की खाई इतनी चौड़ी हो गई है कि उसे अब अनदेखा नहीं किया जा सकता। मानवता की चिंता का भव्य प्रदर्शन उसके भीतर छिपे पाखंड को अब नहीं ढक सकता। दुनिया जिस गति से मूल्यहीन जीवन की ओर बढ़ रही है, वह चिंताजनक है। नैतिकता को धीरे धीरे विकल्प की तरह देखा जाने लगा है और सफलता को जिम्मेदारी से अलग कर दिया गया है। यह नैतिक संकट अब एक वैश्विक महामारी का रूप ले चुका है। ऐसे समय में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं है, यह एक ऐसी सभ्यता है जिसने हजारों वर्षों से संतुलन, करुणा, सत्य और सामूहिक कल्याण पर बल दिया है। इसकी सांस्कृतिक चेतना आत्मसंयम, कर्तव्य और सामंजस्य के सिद्धांतों में निहित है। वसुधैव कुटुंबकम का विचार, धर्मपूर्ण आचरण पर बल और आंतरिक चरित्र पर केंद्रित दृष्टि भारतीय चिंतन का मूल रहे हैं। ऐसे समय में, जब नैतिक भ्रम तेजी से फैल रहा है, ये शाश्वत मूल्य मार्गदर्शक प्रकाश बन सकते हैं। आज भारत विश्व को नैतिक संतुलन और मानवीय संवेदनशीलता की दिशा दिखाने की क्षमता में है, किंतु यह जिम्मेदारी घर से ही शुरू होती है। भारत के लोगों को पहले उन शक्तियों से स्वयं को बचाना होगा जो दुनिया भर के समाजों को कमजोर कर रही हैं, अनियंत्रित महत्वाकांक्षा, अंधा भौतिकवाद और चरित्र का क्षरण। यह आत्ममंथन का समय है। हर व्यक्ति को कुछ कठिन किंतु आवश्यक प्रश्न स्वयं से पूछने होंगे। क्या हमारी शक्ति हमारे चरित्र द्वारा संचालित है? क्या हमारी शिक्षा हमें बुद्धिमान और जिम्मेदार बनाती है या सिर्फ कुशल और महत्वाकांक्षी? क्या हम अपनी व्यक्तिगत सफलता को ईमानदारी और सामाजिक योगदान से जोड़ते हैं? क्या हम व्यक्तिगत लाभ से ऊपर राष्ट्रीय और सामाजिक हित को रखते हैं? यही प्रश्न सच्चे देशभक्ति के भाव को परिभाषित करते हैं। ध्यान रहे, राष्ट्र से प्रेम शब्दों, उत्सवों या नारों तक सीमित नहीं होता। किसी देश की वास्तविक रक्षा उसकी सीमाओं पर नहीं होती। वह हर दिन लोगों द्वारा किए गए चुनावों में दिखाई देती है। जब कोई व्यक्ति भ्रष्टाचार के बजाय ईमानदारी चुनता है, सुविधा के बजाय जिम्मेदारी चुनता है और छल के बजाय सत्य को अपनाता है, तब राष्ट्र की रक्षा होती है। जब एक व्यक्ति अपने चरित्र की रक्षा करता है, तो वह अपने राष्ट्र की रक्षा करता है। ईमानदारी का हर कार्य समाज को मजबूत करता है। दया का हर कार्य एकता का निर्माण करता है। अंतरात्मा से लिया गया हर निर्णय देश की नैतिक रीढ़ को सुदृढ़ बनाता है और जब पूरा समाज अपनी नैतिक नींव की रक्षा करने का संकल्प लेता है, तब उस स्थिति में वह अंधकार से जूझती दुनिया के लिए एक प्रकाशस्तंभ बन जाता है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

गंभीर के घर पर भारतीय टीम के लिए हुई डिनर पार्टी

बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला भी शामिल हुए

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम रविवार को मुख्य कोच गौतम गंभीर के घर रात्रि भोज पर पहुंची। गंभीर ने टीम को अपने घर पर आमंत्रित किया था। इसमें खिलाड़ियों के साथ ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला भी शामिल हुए। गंभीर ने अपने परिवार के साथ भारतीय टीम का स्वागत किया। इस दौरान खिलाड़ियों ने लजीज व्यंजनों का आनंद लिया। भारतीय टीम टी20 विश्वकप के 12 फरवरी को नामीबिया के खिलाफ होने वाले मैच के लिए दिल्ली पहुंची थी। इससे पहले टीम ने मुम्बई में हुए पहले मैच में अमेरिका के खिलाफ जीत हासिल की थी। भारतीय टीम के गंभीर के घर पहुंचने का एक वीडियों भी आया है। इसमें गंभीर और उनकी पत्नी टीम का स्वागत करते हुए दिख रहे हैं। इससे लावा बोर्ड के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला भी गंभीर के घर पहुंचे। टीम का स्वागत करते हुए गंभीर और उनकी पत्नी नताशा व बच्चे बेहद खुश दिखे। इस पार्टी में कई प्रकार के व्यंजन और मीठे पकवान परोसे गए। इंडियन तंदूर के साथ ही चाइनीज और कांटिनेंटल इटालियन खाना भी परोसा गया। भारतीय खिलाड़ी बस से गौतम गंभीर के घर पहुंचे थे। सभी खिलाड़ी एकदम कैजुअल ड्रेस में दिखे। शुभमन गिल सफेद टीशर्ट और काला चश्मा पहने दिखे। केएल राहुल, प्रसिद्ध कृष्णा और अन्य भारतीय क्रिकेटरों समेत कोच रायन टेन डोइशे और मोर्ने मोर्केल भी इस डिनर पार्टी में मौजूद रहे। वहीं गंभीर इस दौरान भारतीय टीम की जर्सी पहने दिखे । भारतीय टीम ने टी20 वर्ल्ड कप का की शुरुआत जीत से की है1 टीम इंडिया ने अपने पहले मैच में अमेरिका को हराकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया है।

राष्ट्रीय ओलंपिक अकादमी को सशक्त बनाने पर अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक अकादमी की आईओए के साथ हुई बैठक

एजेंसी, नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक अकादमी के एक प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष डॉ. पीटी उषा से उनके नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में औपचारिक मुलाकात की। दोनों संस्थानों ने भारत में ओलंपिक शिक्षा को मजबूत करने और भारतीय राष्ट्रीय ओलंपिक अकादमी को वैश्विक ओलंपिक शिक्षा ढांचे से और अधिक जोड़ने की साझा प्रतिबद्धता दोहराई। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक अकादमी के निदेशक डॉ. माकिस असिमाकोपोलोस और एनओए/एनओसी संबंधों की प्रमुख एलेक्ज़ेंड्रा कराइस्कू ने किया। बैठक के दौरान अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक अकादमी ने भारत की राष्ट्रीय ओलंपिक अकादमी के पुनः सक्रिय किए जाने पर भारतीय ओलंपिक संघ को बधाई दी। 9 जनवरी को औपचारिक रूप से पुनः लॉन्च की गई राष्ट्रीय ओलंपिक अकादमी को भारत में शिक्षा, मूल्यों पर आधारित नेतृत्व और दीर्घकालिक क्षमता निर्माण के माध्यम से ओलंपिक आंदोलन को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण संस्थागत कदम बताया गया। प्रतिनिधिमंडल ने ओलंपियन डॉ. उषा को राष्ट्रीय ओलंपिक अकादमी की अध्यक्ष और गगन नारंग को निदेशक नियुक्त किए जाने का भी स्वागत किया। इस अवसर पर खेल शिक्षा को विश्वसनीय, समावेशी और खिलाड़ी-केंद्रित बनाने में खिलाड़ियों के नेतृत्व की भूमिका को अहम बताया गया। यह बैठक भारतीय ओलंपिक संघ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रघुराम अय्यर की उपस्थिति में हुई, जिसमें दोनों संस्थानों ने भारत में ओलंपिक शिक्षा को मजबूत करने और भारतीय राष्ट्रीय ओलंपिक अकादमी को वैश्विक ओलंपिक शिक्षा ढांचे से और अधिक जोड़ने की साझा प्रतिबद्धता दोहराई। बैठक में स्पष्ट परिणामों वाले संरचित ओलंपिक शिक्षा कार्यक्रमों के विकास, शिक्षकों की क्षमता वृद्धि, युवाओं की भागीदारी और अंतरराष्ट्रीय ज्ञान आदान-प्रदान पर चर्चा की गई। साथ ही, राष्ट्रीय ओलंपिक अकादमी को भारत में ओलंपिज़्म की केंद्रीय बौद्धिक और शैक्षणिक संस्था के रूप में विकसित करने पर विशेष जोर दिया गया, ताकि सुशासन, नैतिक नेतृत्व और सतत खेल विकास को बढ़ावा मिल सके। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष डॉ. पी. टी. उषा ने खेलों में ईमानदारी, समावेशन और सततता को बढ़ावा देने में शिक्षा की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक अकादमी के सहयोग से राष्ट्रीय ओलंपिक अकादमी के माध्यम से सुशासन को मजबूत करने, खिलाड़ियों के कल्याण की सुरक्षा और भारतीय खेलों के भविष्य के नेताओं के विकास के प्रति भारतीय ओलंपिक संघ की प्रतिबद्धता दोहराई। दोनों संस्थानों ने ओलंपिक मूल्यों—नैतिकता, निष्पक्ष खेल, सम्मान, समावेशन और ईमानदारी—की रक्षा की अपनी साझा जिम्मेदारी पर जोर दिया, जो खेलों की विश्वसनीयता और विश्वास के लिए आवश्यक हैं। खिलाड़ी कल्याण शिक्षा, जिसमें मानसिक स्वास्थ्य, सुरक्षा, डोपिंग रोधी उपाय और प्रतिस्पर्धी करियर के बाद का संक्रमण शामिल है, को प्राथमिकता क्षेत्र के रूप में चिन्हित किया गया। इसके अलावा, युवाओं की भागीदारी और नेतृत्व विकास को भारत में ओलंपिक आंदोलन की दीर्घकालिक प्रासंगिकता और स्थिरता के प्रमुख स्तंभ बताया गया। बैठक में भारत के ओलंपिक इतिहास और खेल विरासत के संरक्षण और दस्तावेजीकरण के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया, साथ ही विभिन्न क्षेत्रों, लिंगों और खेल विधाओं में विविधता और प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

अगले टी20 विश्वकप में नहीं खेल पायेंगे वैभव

एजेंसी, मुम्बई

14 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने पिछले कुछ समय में अपने अच्छे प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। आईपीएल से लेकर अंडर-19 क्रिकेट तक वह छाये रहे हैं। वैभव अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। वह दबाव के बीच भी आसानी से बड़े शॉट लगा देते हैं। अंडर-19 विश्व कप में भारतीय टीम की जीत में भी उनकी अहम भूमिका रही है पर इसके बाद भी इसके अगले संस्करण में वह खेल नहीं पायेंगे। इस कारण भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई का एक नियम है। बीसीसीआई ने साल 2016 में राहुल द्रविड़ के कोच रहते एक नियम बनाया था जिसके अनुसार कोई भी खिलाड़ी एक ही बार अंडर-19 विश्कप खेल सकेगा। ये फैसला इसलिए किया गया था ताकि अधिक से अधिक उभरती हुई प्रतिभाओं को इसमें खेलने का अवसर मिल सके। इस फैसले का लक्ष्य ज्यादा से ज्यादा युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अवसर देना था। वैभव ने इस बार अंडर-19 विश्वकप में कप में कई रिकार्ड बनाये हैं जो उनके नाम वह पूरे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की सूची में दूसरे स्थान पर रहे। इसके अलावा फाइनल मुकाबले में उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 175 रनों की पारी खेली थी जिससे भारतीय टीम की खिताब जीत आसान रही। वह पूरे टूर्नामेंट में अच्छी बल्लेबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवार्ड जीतने में भी सफल रहे। वैभव ने पूरे टूर्नामेंट में अपने अच्छे प्रदर्शन के बल पर प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट दोनों खिताब हसिल किया है। साफ 2016 से पहले जब कोई पाबंदी नहीं थी तब कई भारतीय खिलाड़ियों को अंडर-19 विश्व कप में दो बार खेलने का मौका मिला था। इसमें रवींद्र जडेजा, सरफराज खान, आवेश खान, रिकी भुई और विजय ज़ोल जैसे खिलाड़ी हैं। इनमें से हालांकि जडेजा ही सीनियर स्तर पर अपने को साबित कर पाये। वहीं भारतीय टीम का रिकार्ड अंडर-19 टीम में बेहतरीन रहा है। भारत ने अब तक छह बार ये खिताब जीता है।

एशियन चैम्पियनशिपः शूट-ऑफ में वियतनाम की थुई ट्रांग से हारीं मनु, ईशा को कांस्य

एजेंसी, नई दिल्ली

डबल ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर को एशियन शूटिंग चैम्पियनशिप में 25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल स्पर्धा का स्वर्ण पदक बेहद करीबी मुकाबले में गंवाना पड़ा। फाइनल में मनु और वियतनाम की गुयेन थुई ट्रांग ने 35-35 हिट्स के साथ बराबरी की, जिसके बाद शूट-ऑफ कराया गया। शूट-ऑफ में थुई ट्रांग ने एक अतिरिक्त हिट लगाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। यह मुकाबला नई दिल्ली के डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में खेला गया। भारत की ईशा सिंह ने 30 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता, जबकि आठ निशानेबाजों के फाइनल में शामिल रिदम सांगवान 27 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहीं। हालांकि, व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण से चूकने के बावजूद भारत को टीम स्पर्धा में बड़ी सफलता मिली। मनु भाकर, ईशा सिंह और रिदम सांगवान की तिकड़ी ने कुल 1751 अंकों के साथ टीम स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया।

प्रीमियर लीगः मैनचेस्टर सिटी ने लिवरपूल पर 2-1 से दर्ज की रोमांचक जीत

एजेंसी, लंदन

मैनचेस्टर सिटी ने प्रीमियर लीग खिताब की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखते हुए एनफील्ड में खेले गए मुकाबले में लिवरपूल को 2-1 से हरा दिया। मुकाबले के आखिरी पलों में किए गए शानदार प्रदर्शन की बदौलत सिटी ने नाटकीय वापसी करते हुए अहम जीत दर्ज की। मैच से पहले मैनचेस्टर सिटी अंक तालिका में शीर्ष पर चल रहे आर्सेनल से नौ अंक पीछे थी। आर्सेनल ने शनिवार को सुंदरलैंड को 3-0 से हराया था, जिससे सिटी पर दबाव और बढ़ गया था। इस बीच मुकाबले में 75वें मिनट में डोमिनिक स्ज़ोबोस्लाई ने शानदार फ्री-किक गोल दागकर लिवरपूल को बढ़त दिला दी और ऐसा लगा कि सिटी की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। हालांकि, मैनचेस्टर सिटी ने हार नहीं मानी। 84वें मिनट में बर्नार्डो सिल्वा ने एरलिंग हालैंड के हेडर के बाद मिले मौके को भुनाते हुए बराबरी का गोल किया। इसके बाद हालैंड ने पेनल्टी पर गोल कर सिटी को 2-1 की बढ़त दिला दी। यह पेनल्टी तब मिली जब मथियस नून्स को लिवरपूल के गोलकीपर एलिसन ने गिरा दिया। मैच का अंत बेहद अव्यवस्थित रहा। जब हालैंड गोल की ओर बढ़ रहे थे, तभी स्ज़ोबोस्लाई ने उन्हें पीछे से खींच लिया। हालैंड की प्रतिक्रिया के बाद गेंद गोल में चली गई, लेकिन VAR समीक्षा के बाद रेफरी ने गोल को रद्द कर दिया, मैनचेस्टर सिटी को फ्री-किक दी और स्ज़ोबोस्लाई को रेड कार्ड दिखाया। मैच के बाद सिटी के कोच पेप गार्डियोला ने कहा, "यह प्रीमियर लीग के लिए शानदार मुकाबला था। पहला हाफ बहुत अच्छा रहा, लेकिन दूसरे हाफ में थोड़ा थकान दिखी। स्ज़ोबोस्लाई का गोल शानदार था, लेकिन इसके बाद हमारी टीम ने कप्तान बर्नार्डो के नेतृत्व में शानदार वापसी की।" अन्य मुकाबले में, इस्माइला सार के 61वें मिनट में किए गए गोल की बदौलत क्रिस्टल पैलेस ने ब्राइटन को 1-0 से हराकर 13 मैचों से चली आ रही जीत की तलाश खत्म की। इस जीत के साथ क्रिस्टल पैलेस रेलिगेशन जोन से नौ अंक ऊपर पहुंच गया। ब्राइटन की ओर से जेम्स मिल्नर इस मैच में नहीं खेले और वह प्रीमियर लीग में सर्वाधिक 653 मैच खेलने के गैरेथ बैरी के रिकॉर्ड की बराबरी से एक मैच दूर रह गए।

व्यापार

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी का रुख, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान मजबूती का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण पहले आधे घंटे के कारोबार में मामूली गिरावट का रुख भी बना। इसके बाद खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में सुधार होने लगा। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.38 प्रतिशत और निफ्टी 0.42 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज, कोटक महिंद्रा, टाइटन कंपनी और श्रीराम फाइनेंस के शेयर 5.86 प्रतिशत से लेकर 1.72 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, मैक्स हेल्थकेयर, ओएनजीसी, नेस्ले, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन और बजाज फाइनेंस के शेयर 1.30 प्रतिशत से लेकर 0.66 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक

के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,750 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 2,186 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 564 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 20 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 10 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 34 शेयर हरे निशान में और 16 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 597.11 अंक की मजबूती के साथ 84,177.51 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 84,314.68 अंक के तक पहुंचा। इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण बिकवाली का दबाव बन गया। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से पहले आधे घंटे के कारोबार में ही सेंसेक्स गिर कर 83,860.42 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बनाया, जिससे इस सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 316.51 अंक की बढ़त के साथ 83,896.91 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 195 अंक उछल कर 25,888.70 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से थोड़ी ही देर में ये सूचकांक उछल कर 25,922.25 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण पहले आधे घंटे के कारोबार में ही निफ्टी लुढ़क कर 25,780.90 अंक के स्तर तक आ गया।

मारुति डिजायर और हुंडई ऑरा की बिक्री में जबरदस्त उछाल

नई दिल्ली। नए साल 2026 की शुरुआत मारुति डिजायर और हुंडई ऑरा दोनों मॉडलों के लिए खासतौर पर शानदार रही। बीते महीने जनवरी में डिजायर की 19,629 यूनिट और ऑरा की 7,978 यूनिट की बिक्री हुई, जो पिछले साल जनवरी 2025 की तुलना में बड़ी बढ़ोतरी है। जनवरी 2025 में डिजायर की 15,383 यूनिट और ऑरा की 5,388 यूनिट बिकी थीं। पिछले महीनों में भी डिजायर और ऑरा ने शानदार प्रदर्शन किया। जुलाई 2025 में डिजायर की 20,895 यूनिट और ऑरा की 4,636 यूनिट बिकीं। अगस्त 2025 में डिजायर ने 16,509 यूनिट और ऑरा ने 5,336 यूनिट की बिक्री दर्ज की। सितंबर 2025 में डिजायर की 20,038 यूनिट, जबकि ऑरा की 5,387 यूनिट बिकीं। अक्टूबर 2025 में यह आंकड़े क्रमशः 20,791 और 5,815 रहे। नवंबर 2025 में डिजायर की 21,082 यूनिट और ऑरा की 5,731 यूनिट बिकीं, जबकि दिसंबर 2025 में डिजायर 19,072 और ऑरा 4,925 यूनिट पर दर्ज हुई। मारुति डिजायर अपने अपडेटेड डिजाइन, एलईडी हेडलाइट्स, स्टाइलिश ग्रिल, वाय-आकार की एलईडी टेललाइट्स और बूट स्पॉइलर की वजह से काफी लोकप्रिय है। इंटीरियर में बेज-ब्लैक थीम, 9-इंच टचस्क्रीन, वायरलेस एंड्रॉयड ऑटो/एप्पल कारप्ले, क्रूज कंट्रोल, सनरूफ और 360-डिग्री कैमरा जैसे फीचर

शामिल हैं। इसमें स्विफ्ट वाला 1.2-लीटर पेट्रोल इंजन मिलता है, जो 80 बीएचपी पावर और 112 एनएम टॉर्क देता है। सीएनजी वर्जन का माइलेज 33.73 किमी/किग्रा है। कीमत 6.25 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होती है। हुंडई ऑरा में 1.2-लीटर कप्पा पेट्रोल इंजन मिलता है, जो 83 पीएस पॉवर और 113.8 एनएम टॉर्क देता है। इसका सीएनजी वर्जन 28 किमी/किग्रा माइलेज देता है। इसमें 8-इंच टचस्क्रीन, क्रूज कंट्रोल, रियर एसी वेंट्स, एलईडी डीआरएलएस और 30 से ज़्यादा सेफ्टी फीचर्स दिए गए हैं। ऑरा की शुरुआती कीमत 5.98 लाख रुपये है और कंपनी 3 साल/1 लाख किलोमीटर की वारंटी देती है।

टेक्नो पोवा कर्व 2 5जी की लॉन्चिंग होगी जल्द

नई दिल्ली। भारत में टेक्नो कंपनी ने अपने नए स्टाइलिश हैंडसेट टेक्नो पोवा कर्व 2 5जी की लॉन्चिंग जल्द होने वाली है। कंपनी ने एक्स पर घोषणा करते हुए बताया कि नया पोवा कर्व 2 भारत में 13 फरवरी दोपहर 12 बजे पेश किया जाएगा। यह मॉडल पिछले साल मई 2025 में लॉन्च हुए पोवा कर्व 2 5जी का अपग्रेडेड वर्जन है। लॉन्च के बाद यह फोन अमेज़न पर खरीदने के लिए उपलब्ध होगा। डिज़ाइन को लेकर टेक्नो पहले ही टीज़र जारी कर चुका है। इसमें एक प्रीमियम घुमावदार रियर पैनल दिखाई देता है, जो किनारों की ओर स्लिम होता जाता है। बैक पैनल पर मैट फिनिश दी गई है और संपूर्ण लुक इसे बजट से ज्यादा मिड-रेंज स्मार्टफोन जैसा बनाता है। कंपनी ने पुष्टि की है कि टेक्नो पोवा कर्व 2 5जी तीन आकर्षक रंगों काला, सिल्वर और बैंगनी में उपलब्ध होगा। फोन का डिजाइन पिछले मॉडल की तुलना में कहीं अधिक स्लीक और प्रीमियम नजर आ रहा है।

सोना और चांदी में हफ्ते की जोरदार शुरुआत

नई दिल्ली। इस सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को सोना और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत तेजी के साथ हुई। घरेलू वायदा बाजार एमसीएक्स के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी दोनों कीमती धातुओं में मजबूती देखने को मिल रही है। सोमवार को घरेलू बाजार में सोने के वायदा भाव करीब 1,58,000 रुपये, जबकि चांदी के वायदा भाव लगभग 2,62,750 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 549 रुपये की तेजी के साथ 1,56,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 1,55,451 रुपये था। कारोबार के दौरान सोने का भाव 2,500 रुपये की बढ़त के साथ 1,57,951 रुपये तक पहुंच गया। इस दौरान सोने ने दिन का उच्च स्तर 1,58,500 रुपये और निचला स्तर 1,55,546 रुपये

छू लिया। बीते महीने सोने के वायदा भाव 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर तक पहुंचे थे। वहीं चांदी के वायदा भाव में भी मजबूत तेजी देखने को मिली। एमसीएक्स पर चांदी का मार्च कॉन्ट्रेक्ट 9,752 रुपये की बढ़त के साथ 2,59,887 रुपये प्रति किलो पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,49,892 रुपये था। इस समय चांदी का भाव 12,847 रुपये की तेजी के साथ 2,62,739 रुपये पर कारोबार कर रहा था। दिन के दौरान चांदी ने 2,64,885 रुपये का उच्च और 2,59,887 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस साल

- सोने का भाव 549 रुपए तेज, चांदी भी 9752 रुपए उछली

चांदी का सर्वोच्च स्तर 4,20,048 रुपये प्रति किलो रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कीमती धातुओं में मजबूती बनी हुई है। कॉमेक्स पर सोना 5,003.60 डॉलर प्रति औंस पर खुला और कारोबार के दौरान 60.50 डॉलर की तेजी के साथ 5,040.30 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गया। इस साल सोने ने 5,586.20 डॉलर का उच्चतम स्तर छुआ है। वहीं चांदी 78.10 डॉलर प्रति औंस पर खुली और 4.08 डॉलर की बढ़त के साथ 80.98 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करती दिखी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चांदी का उच्चतम स्तर 121.79 डॉलर प्रति औंस रहा है।

मूडीज का वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की जीडीपी ग्रोथ 6.4 फीसदी रहने का अनुमान

नई दिल्ली। वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज रेटिंग्स ने अगामी वित्त्त वर्ष 2026-27 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.4 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। मूडीज रेटिंग्स ने सोमवार को जारी अपनी बैंकिंग प्रणाली परिदृश्य रिपोर्ट में कहा कि भारत की जीडीपी 6.4 फीसदी की दर से अगले वित्त वर्ष 2026-27 में बढ़ेगी, जो जी-20 देशों में सबसे तेज गति होगी। एजेंसी ने कहा कि इसकी वजह मजबूत घरेलू खपत, पॉलिसी के कदम और एक स्थिर बैंकिंग सिस्टम हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) में कुछ दबाव देखने को मिल सकता है। इसके बावजूद बैंकों के पास ऋण नुकसान को झेलने के लिए पर्याप्त भंडार मौजूद है। यह घरेलू खपत में मजबूती, नीतिगत उपायों और स्थिर

बैंकिंग प्रणाली के दम पर जी-20 अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ेगी। रेटिंग एजेंसी मूडीज का यह अनुमान वित्त मंत्रालय की आर्थिक समीक्षा में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए जताई गई 6.8-7.2 फीसदी आर्थिक वृद्धि दर की सीमा से कम है। आधिकारिक अनुमानों के अनुसार चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 7.4 फीसदी रहने की संभावना है, जो 2024-25 में दर्ज 6.5 फीसदी से अधिक है।

ईपीएफओ का नया ऐप अप्रैल में होगा लॉन्च, यूपीआई के जरिए पीएफ का पैसा निकालने की मिलेगी सुविधा

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) अंशधारक के लिए एक बड़ी राहत लेकर आ रहा है। इसके अंशधारक एक नए मोबाइल एप्लिकेशन के जरिये यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) भुगतान गेटवे का उपयोग करके अपने पीएफ का पैसा सीधे बैंक खातों में पा सकेंगे। यह ऐप अप्रैल में लॉन्च होगा, जिससे 8 करोड़ से अधिक ग्राहकों को फायदा होगा। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को बताया कि श्रम एवं रोजगार मंत्रालय एक ऐसी परियोजना पर काम कर रहा है, जिसके तहत ईपीएफ का एक निश्चित हिस्सा सुरक्षित कर दिया जाएगा, जबकि एक बड़ा हिस्सा यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के जरिये बैंक खाते से निकासी के लिए

उपलब्ध होगा। सूत्रों के अनुसार ईपीएफओ एक नया मोबाइल ऐप पेश करेगा, जिसके जरिये सदस्य यूपीआई गेटवे का उपयोग करके पैसे निकालने के साथ ही पासबुक शेष राशि जैसी अन्य सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। सूत्र ने बताया कि ईपीएफओ के अंशधारक मोबाइल ऐप के जरिये अपने बैंक खातों में हस्तांतरण के लिए उपलब्ध पात्र ईपीएफ शेष राशि देख सकेंगे। इसके जरिए उन्हें लेन-देन पूरा करने के लिए अपने जोड़े गए यूपीआई पिन का उपयोग करने की अनुमति दी जाएगी, जिससे बैंक खातों में धन का सुरक्षित हस्तांतरण सुनिश्चित होगा। ईपीएफओ इस सेवा का फिलहाल परीक्षण कर रहा है। इस साल अप्रैल में बड़े स्तर पर इस ऐप को पेश किए जाने की संभावना है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के अंशधारक इस समय अपने ईपीएफ खातों तक पहुंचने और सेवाओं का लाभ उठाने के लिए या तो यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन) पोर्टल या 'उमंग' ऐप का उपयोग करते हैं। ये सेवाएं दोनों मंच पर उपलब्ध रहेंगी, जबकि नया समर्पित ऐप ईपीएफओ ग्राहकों के लिए सेवाओं की पहुंच और वितरण में सुधार करेगा।

चाहत पांडे ने ओटीटी की दुनिया में रखा कदम, हसरतें सीजन 3 में निभाया चुनौतीपूर्ण किरदार

टीवी और रियलिटी शो की दुनिया में अपनी पहचान बना रही एक्ट्रेस चाहत पांडे ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी डेब्यू किया है। हंगामा ओटीटी पर रिलीज हुई नई वेब सीरीज हसरतें सीजन 3 में उन्होंने एक चुनौतीपूर्ण किरदार निभाया है। उनका किरदार कई मायनों में महिलाओं की जटिल भावनाओं, उनकी इच्छाओं और उनके संघर्ष को बयां करता है। सीरीज के नए एपिसोड नया किराएदार में चाहत पांडे ने स्मिता नाम की गृहिणी की भूमिका निभाई है। स्मिता एक ऐसी महिला है, जो अपने पति के अचानक गायब होने के बाद अकेली और भावनात्मक रूप से असुरक्षित महसूस करती है। उसे अपनी दबंग सास के साथ रहना पड़ता है, जिससे उसके जीवन में दबाव और भी बढ़ जाता है। समाज की निगाहें, ऑफिस में हो रहे उत्पीडऩ और अपनी अधूरी इच्छाओं को दबाने की मजबूरी ने उसकी जिंदगी को थमा दिया है। लेकिन कहानी में बदलाव तब आता है, जब उसके घर में समर्थ नाम का एक युवा म्यूजिशियन किरायेदार बनकर आता है। उनकी बढ़ती दोस्ती स्मिता के भीतर छिपी हुई भावनाओं को फिर से जागृत करती है।<जैसे-जैसे स्मिता समर्थ के करीब जाने लगती है, अचानक उसके पति की वापसी हो जाती है। स्मिता को अब यह तय करना होता है कि वह समाज की बनाई गई मर्यादाओं और पारिवारिक जिम्मेदारियों में बंधी रहे या अपनी खुशी और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को चुने। यह कहानी दर्शकों को यह सोचने पर मजबूर करेगी कि कभी-कभी जीवन में अपनी खुशी चुनना गुनाह नहीं, बल्कि जीवित रहने का तरीका है। चाहत पांडे ने अपने किरदार को लेकर कहा, स्मिता मेरे करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार है। स्मिता ऐसी महिला है, जिसे बचपन से सिखाया गया कि उसे अपने दर्द और अधूरी इच्छाओं को कभी व्यक्त नहीं करना है। पति के गायब होने के बाद समाज उसे और भी सख्ती से नियंत्रित करने लगता है। इस किरदार के जरिए मैंने यह दिखाने की कोशिश की कि जब एक महिला अपनी आवाज सुनती है, तो उसके जीवन में कितना बड़ा बदलाव आ सकता है। चाहत ने आगे कहा, स्मिता की कहानी उसके अधिकारों को वापस पाने और यह स्वीकार करने की कहानी है कि अपनी खुशी चुनना कोई अपराध नहीं है। यह किरदार महिलाओं की भावनाओं, उनके संघर्ष और उनकी स्वतंत्रता की कहानी को बड़े ही संवेदनशील तरीके से पेश करता है। हसरतें सीजन 3 में चाहत पांडे का यह कदम ओटीटी की दुनिया में उनकी नई पहचान बनाने का भी अवसर है। दर्शक न केवल उनकी भावनाओं से जुड़ेंगे, बल्कि उनकी कहानी के माध्यम से समाज में महिलाओं की स्वतंत्रता और व्यक्तिगत अधिकारों के महत्व को भी महसूस करेंगे।

अनुपम खेर की फिल्म तन्वी द ग्रेट ने आईएमडीबी पर जमाई धाक, हासिल की ये उपलब्धि

दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर की निर्देशन में बनी फिल्म तन्वी द ग्रेट 2025 में रिलीज हुई थी जिसकी कहानी ऑटिस्टिक से पीड़ित एक लड़की पर आधारित है। इस फिल्म के जरिए शुभांगी दत्त ने बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया था। उनके अलावा करण टेकर, बोमन ईरानी जैसे सितारे भी इसका हिस्सा हैं। 98वें ऑस्कर में शॉर्टलिस्ट हुई यह फिल्म भले नामांकन हासिल करने से चूक गई हो, लेकिन आईएमडीबी पर अपनी मजबूत धाक जमाकर लोगों की वाहवाही लूट रही है। तन्वी द ग्रेट की ओटीटी रिलीज का लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बीच इसने आईएमडीबी पर 2025 की सर्वश्रेष्ठ बॉलीवुड फिल्मों की सूची में 7वें नंबर पर अपनी जगह बनाई है। इसके पीछे का एक कारण फिल्म समीक्षकों से मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया और दर्शकों का बेशुमार प्यार है। हालांकि, इसका बॉक्स ऑफिस कलेक्शन कुल 1.72 से 1.83 करोड़ रुपये के बीच था, लेकिन अनुमान है कि यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज होकर धमाल मचा देगी।

अब बड़े पर्दे पर दहाड़ेंगे कालीन भैया, भौकाली अंदाज में होगी मुन्ना-गुड्डू की वापसी, मिर्जापुर: द मूवी की रिलीज तारीख जारी

'मिर्जापुर उन चुनिंदा वेब सीरीज में शामिल है, जिसने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर कदम रखते ही दर्शकों के बीच जबरदस्त सनसनी फैला दी और तगड़ा फैन बेस बना लिया। गालियों से भरे डायलॉग्स, सत्ता की अंधी भूख, खून-खराबे और बेहद दमदार किरदारों ने इस शो को कुछ ही समय में एक कल्ट पहचान दिला दी। हर सीजन के साथ इसकी लोकप्रियता लगातार बढ़ती गई और ओटीटी पर इसने रिकॉर्डतोड़ व्यूअरशिप हासिल की। दर्शकों के इस अपार प्यार और क्रेज को देखते हुए अब मेकर्स ने 'मिर्जापुर की कहानी को बड़े पर्दे पर लाने का बड़ा फैसला लिया है। बहुत जल्द 'मिर्जापुर: द फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होकर वही भौकाल मचाने वाली है, जिसके लिए यह सीरीज जानी जाती है। अब मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया है। अमेजन एमजीएम स्टूडियोज और एक्सल एंटरटेनमेंट की सबसे बड़ी और फैन-फेवरेट फ्रैंचाइजी 'मिर्जापुर को पहली बार सिनेमाघरों में ला रहे हैं। यह फिल्म मिर्जापुर यूनिवर्स की एक अनसुनी कहानी दिखाएगी। एक्सल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी इस फिल्म को रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने प्रोड्यूस किया है, जबकि कासिम जगमगिया और विशाल रामचंदानी को-प्रोड्यूसर हैं। फिल्म का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है। भारत की सबसे आइकॉनिक ओटीटी फ्रैंचाइजी अब बड़े पर्दे पर आने के लिए तैयार है। मेकर्स ने आज मिर्जापुर: द मूवी की थिएट्रिकल रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। ये फिल्म 4 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म दर्शकों को उसी रॉ और दमदार दुनिया में ले जाएगी, लेकिन इस बार पहले से कहीं ज्यादा बड़े स्केल पर। पंकज त्रिपाठी के कालीन भैया, अली फजल के गुड्डू पंडित के साथ-साथ दिव्येंदु के मुन्ना भैया की भी बहुप्रतीक्षित वापसी हो रही है। पहली बार मिर्जापुर की कल्ट कहानी सिनेमाघरों में उतरेगी और इस तरह से अपने फैंस को एक जबरदस्त बिग-स्क्रीन अनुभव देने वाली है। फिल्म में इसके अलावा जितेंद्र कुमार, रवि किशन, अभिषेक बनर्जी, रसिका दुग्गल, श्वेता त्रिपाठी, श्रिया पिलगांवकर, हर्षिता गौर, सुशांत सिंह, मोहित मलिक, शीबा चड्ढा, राजेश तैलंग, कुलभूषण खरबंदा और सोनल चौहान जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। अमेजन एमजीएम स्टूडियोज और एक्सल एंटरटेनमेंट द्वारा प्रस्तुत, एक एक्सल एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन 'मिर्ज़ार्पुर: द मूवी का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है और कहानी पुनीत कृष्णा ने लिखी है। यह फिल्म 4 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म की कहानी को लेकर फिलहाल मेकर्स ने कोई ठोस जानकारी साझा नहीं की है। हालांकि इंडस्ट्री से जुड़ी रिपोर्ट्स की मानें तो यह प्रोजेक्ट या तो वेब सीरीज की शुरुआत की कहानी यानी प्रीक्वल हो सकता है या फिर उसी टाइमलाइन में घटने वाली किसी बेहद अहम घटना पर आधारित होगा। इतना तय माना जा रहा है कि फिल्म का स्केल सीरीज के मुकाबले कहीं ज्यादा बड़ा और भव्य होगा। सत्ता की जंग, खून-खराबा और मिर्जापुर की गद्दी के लिए एक नया, पहले से ज्यादा खतरनाक खेल दर्शकों को देखने को मिल सकता है। बड़े पर्दे के लिए मिर्जापुर की दुनिया को और भी रॉ, इंटेंस और सिनेमैटिक अंदाज में पेश करने की पूरी तैयारी की जा रही है।

अपने आप से लड़कर मैंने खुद को पाया है, मेधा राणा ने जिंदगी में आए बदलाव को किया साझा

फिल्मी दुनिया में कई कलाकार ऐसे होते हैं, जो कैमरे के सामने तो मजबूत दिखाई देते हैं, लेकिन उनके भीतर एक लड़ाई चल रही होती है। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म बॉर्डर 2 के जरिए चर्चा में आई अभिनेत्री मेधा राणा भी उन्हीं कलाकारों में से एक हैं, जिन्होंने अपने अंदर चल रहे सवालों, असमंजस और आत्मसंदेह की जंग को जीतकर अपने ऊपर भरोसा करना सीखा और इस मुकाम तक का सफर तय किया। मेधा राणा ने कहा, साल 2022 से लेकर अब तक उनके भीतर सबसे बड़ा बदलाव आत्मस्वीकृति और आत्मविश्वास का रहा है। शुरुआत में मैं खुद को लेकर बहुत उलझन में रहती थीं। मुझे अक्सर लगता था कि शायद मैं इस इंडस्ट्री के लिए बनी ही नहीं हूं। ऐसे विचार मुझे भीतर से कमजोर बनाते थे और आगे बढने में बाधा भी बनते थे। उन्होंने कहा, जब मैंने मनोरंजन जगत में काम करना शुरू किया, तो शुरुआती दिन बेहद कठिन थे। मैं लगातार खुद पर शक करती थी और अपने फैसलों को लेकर आश्वस्त नहीं थी। इस असमंजस से बाहर निकलने में मुझे काफी समय लगा। इंडस्ट्री को समझना, अपने आप को पहचानना और हालात को स्वीकार करना एक लंबी सीख की प्रक्रिया रही। मेधा ने कहा, मैंने अपने आप से लड़कर खुद को पाया है। अब मैं खुद को पहले से ज्यादा स्वीकार करने लगी हूं। मैं अपनी कमियों और खूबियों दोनों को समझती हूं और उन्हें लेकर सहज हूं। यही स्वीकार्यता मेरे आत्मविश्वास की सबसे बड़ी वजह बनी है। मेधा राणा ने कहा, फिल्म बॉर्डर 2 मेरे करियर का एक अहम मोड़ साबित हुई है। इस फिल्म का हिस्सा बनने के बाद और दर्शकों से मिली प्रतिक्रिया ने मेरे भीतर एक नया भरोसा पैदा किया। जब किसी कलाकार को उसके काम के लिए सराहना मिलती है, तो वह खुद पर यकीन करने लगता है। बॉर्डर 2 के अनुभव ने मुझे यह एहसास दिलाया कि मैं अपने हुनर में सक्षम हूं और मेहनत रंग ला सकती है। उन्होंने कहा, अब मैं खुद को लेकर ज्यादा आश्वस्त महसूस करती हूं। अपने अभिनय कौशल और फैसलों पर मेरा भरोसा बढ़ा है। यह आत्मविश्वास मेरे जीवन की अब तक की सबसे बड़ी ग्रोथ है, जो मुझे आगे और बेहतर काम करने की प्रेरणा देता है।

बॉर्डर 2 के आगे रानी मुखर्जी की मर्दानी 3 बटोर रही जमकर नोट, 25 करोड़ी बनने से रह गई इंचभर दूर

रानी मुखर्जी की लेटेस्ट रिलीज एक्शन थ्रिलर फिल्म मर्दानी 3 बॉक्स ऑफिस पर ठीक परफॉर्म कर रही है. ओपनिंग वीकेंड पर धुआंधार कलेक्शन करने के बाद अब ये वीकडेज में भी टिकट खिड़की पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए है. यहां तक कि बॉर्डर 2 जैसी बड़ी फिल्म का भी ये डटकर मुकाबला रही है. चलिए यहां जानते हैं इस फिल्म ने रिलीज के छठे दिन कितनी कमाई की है? मर्दानी 3 रानी मुखर्जी की हिट फ्रैंचाइजी मर्दानी की तीसरी इंस्टॉलमेंट है. इस फिल्म ने 4 करोड़ से शुरुआत की थी फिर दूसरे वीकेंड पर इसने अच्छी ग्रोथ दिखाते हुए जहां शनिवार को 6.25 करोड़ कमाए तो वहीं रविवार को तीसरे दिन इस एक्शन थ्रिलर की कमाई 7.25 करोड़ रुपये रही. वहीं वीकडेज में इसकी कमाई में गिरावट देखी गई और इसने सोमवार को यानी चौथे दिन 2.25 करोड़ कमाए. इसके बाद मंगलवार को टिकटों में छूट के कारण इसकी कमाई में मामूली सुधार देखने को मिला और इसने 2.6 करोड़ का कारोबार किया वहीं अब सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक मर्दानी 3 ने रिलीज के छठे दिन यानी बुधवार को 2 करोड़ की कमाई की है. इसी के साथ मर्दानी 3 की 6 दिनों की कुल कमाई अब 24.25 करोड़ रुपये हो गई है. मर्दानी 3 ने रिलीज के 6 दिनों में 24 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर ली है. 75 लाख और कमाते ही ये 25 करोड़ी बन जाएगी. गुरुवार को फिल्म इस आंकड़े को हर हाल में पार कर जाएगी. वहीं दूसरे वीकेंड तक फिल्म के 30 करोड़ी बनने की उम्मीद है. रिपोर्ट्स के मुताबिक मर्दानी 3 60 करोड़ के बजट में बनी है. मेकर्स ने फिल्म की 38त्न से ज्यादा लागत वसूल कर ली है. हालांकि रानी मुखर्जी की फिल्म को सेफ जोन में पहुंचने के लिए अभी भी 37.60 करोड़ और कमाने होंगे. लेकिन फिल्म के पास वक्त कम है क्योंकि वैलेंटाइन डे पर नई फिल्में रिलीज होंगी, और मुकाबला सिर्फ सबसे मजबूत के बीच होगा. ऐसे में इस फिल्म के लिए अपनी 60 करोड़ की लागत वसूलना मुश्किल लग रहा है. यहां तक कि अगर दूसरे वीकेंड पर ये तेजी भी दिखाती है तब भी इसके लिए 30 करोड़ से ज्यादा की और कमाई करना मुश्किल लग रहा है. फिलहाल, यह एक्शन थ्रिलर फिल्म फ्रेंचाइजी में आखिरी पोजिशन पर है. यह मर्दानी के लाइफटाइम कलेक्शन को हासिल करने की कोशिश कर रही है, जिसने भारत में 36 करोड़ के नेट कलेक्शन के साथ अपना सफर खत्म किया था.

फिल्म द केरल स्टोरी 2-गोज बियॉन्ड का पहला गाना साथी रे रिलीज, सुरों संग टपकी गम और रोमांस की चासिनी

'द केरल स्टोरी 2 - गोज बियॉन्ड का टीजर रिलीज हो चुका है। नेशनल अवॉर्ड विनिंग डायरेक्टर कामख्या नारायण सिंह के निर्देशन में बनी यह फिल्म तीन हिंदू लड़कियों की परेशान करने वाली कहानी दिखाती है, जिनका किरदार उल्का गुप्ता, ऐश्वर्या ओझा और अदिति भाटिया निभा रही हैं। तीन मुस्लिम लड़कों के साथ रिश्ते में आने के बाद उनकी जिंदगी धीरे-धीरे अंधेरे में चली जाती है। जो कहानी प्यार से शुरू होती है, वो आगे चलकर धर्म परिवर्तन से जुड़ी एक साजिश की डरावनी सच्चाई खोलती है। इसी दुनिया की एक और झलक देते हुए फिल्म का पहला गाना 'साथी रे अब रिलीज हो चुका है। 'द केरल स्टोरी 2 - गोज बियॉन्ड का पहला गाना 'साथी रे लड़की के प्यार, उसके जज्बातों, किसी के लिए अपनी दुनिया छोड़ देने और आखिर में धोखे व दर्द का सामना करने की कहानी को दिखाता है। फिल्म की थीम को बरकरार रखते हुए इस गाने में तीन मेल लीड्स की भी एंट्री होती है, उल्का गुप्ता के अपोजिट सुमित गहलावत, ऐश्वर्या ओझा के साथ अर्जन औजला और अदिति भाटिया के साथ युक्तम खोसला नजर आते हैं। 'साथी रे को विशाल मिश्रा ने आवाज दी है, इसके बोल मनोज मुंतशिर ने लिखे हैं और म्यूज़िक मन्नन शाह ने कंपोज किया है। 'द केरल स्टोरी के जबरदस्त असर के बाद जिसने अपनी बेबाक कहानी से पूरे देश को झकझोर दिया था, इसका सीक्वल और भी आगे जाने का वादा करता है। कामख्या नारायण सिंह के निर्देशन में बनी 'द केरल स्टोरी 2 - गोज बियॉन्ड को विपुल अमृतलाल शाह ने प्रोड्यूस किया है, जबकि आशिन ए शाह ने सनशाइन पिक्चर्स के बैनर तले इसे को-प्रोड्यूस किया है। फिल्म 27 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

चिरंजीवी की फिल्म मन शंकर वर प्रसाद गारू ने हासिल की ऐतिहासिक सफलता, 25 दिनों में वर्ल्डवाइड 375 करोड़ की कमाई की

चिरंजीवी की माना शंकरा वरा प्रसाद गारू एक बहुत बड़ी बॉक्स ऑफिस सक्सेस बनकर उभरी है, जो रीजनल इंडस्ट्री की ऑल टाइम हिट बन गई है। फिल्म ने सिर्फ 25 दिनों में दुनिया भर में कुल 375 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया है, जिससे यह चिरंजीवी के साथ-साथ रीजनल सिनेमा की भी सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर बन गई है। यह उपलब्धि कमाल की है, खासकर आंध्र प्रदेश और तेलंगाना दोनों मार्केट में फिल्म के ज़बरदस्त परफॉर्मेंस को देखते हुए, जिसने तीसरे और चौथे हफ्ते में भी लगातार कलेक्शन बनाए रखा। इस फिल्म में नयनतारा, वेंकटेश एक एक्सटेंडेड कैमियो में और दूसरे जाने-माने कलाकार हैं, जिसे साहू गरापति और सुष्मिता कोनिडेला ने शाइन स्क्रीन्स और गोल्ड बॉक्स एंटरटेनमेंट्स बैनर के तहत प्रोड्यूस किया है। भीम्स सेसिरोलियो ने म्यूज़िक दिया है। माना शंकरा वरा प्रसाद गारू की सफलता का श्रेय इसकी दिल को छू लेने वाली फैमिली एंटरटेनर कहानी को जाता है, जिसमें हाई ऑक्टेन मास एलिमेंट हैं, जो मेगास्टार के लिए एकदम सही हैं। माना शंकर वर प्रसाद गारू ने बॉक्स ऑफिस के रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं, 25 दिनों में 375 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। फिल्म ने पहले दिन 65 करोड़ रुपये कमाए, जिसमें से 44.75 करोड़ रुपये भारत से और \$2.3 मिलियन अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रों से आए। पहले सात दिनों के बाद, इसने दुनिया भर में 292 करोड़ रुपये कमाए, जिससे यह एक सर्टिफाइड ब्लॉकबस्टर बन गई। फिल्म के डिजिटल स्ट्रीमिंग राइट्स जी5 ने खरीद लिए हैं, जिसके 11 फरवरी, 2026 से प्लेटफॉर्म पर लाइव होने की उम्मीद है। कलेक्शन अभी भी बढ़ रहा है, माना शंकर वर प्रसाद गारू तेलुगु सिनेमा के लिए नए बेंचमार्क सेट कर रहे हैं, यह साबित करते हुए कि क्षेत्रीय तेलुगु सिनेमा सिर्फ कंटेंट और स्टार पावर के दम पर बड़े बॉक्स ऑफिस नंबर हासिल कर सकता है।

Women's struggles will receive recognition on the stage of Super Woman Award Season 8

DB Reporter

Jaipur / Nominations have now opened for one of the most prestigious awards at the national and international level — the Super Woman Award. Organized by Forever Star India, the Super Woman Award honors women who have achieved success through perseverance, dedication, and struggle. Rajesh Aggarwal, Founder of Forever Star India, stated that Forever Star India has so far honored more than 100,000 individuals for their outstanding contributions across various fields. Under the Forever Star India Awards, several categories are included such as Super Hero Award, Indian Achiever Award, Global Infinity Achiever Award, and Business Award.

All information related to the awards can be obtained by visiting the official website of Forever Star India: www.fsia.in . Rajesh Agarwal further explained that the Super Woman Award is unique because every woman who receives this honor is provided with a Google Identity/Profile. Forever Star India's digital experts continuously work on a strategic roadmap to keep that profile ranked at the top. Additionally, only one nomination per category is accepted from each city, which further enhances the transparency and authenticity of the award. The Super Woman Award has consistently stood strong on every benchmark to ensure that women's journeys from struggle to success receive both recognition and respect. The objective of the Super Woman Award is to encourage and honor talented Indian women who are continuously working to bring pride to the nation in fields such as startups, business, science, social service, arts, justice, technology, and many other sectors.

Kolkata Metro launches audio message to discourage suicides

Kolkata, Agency: The Kolkata Metro Railway has launched an audio message, which will be played at several stations along the North-South corridor, discouraging people from ending their lives.

The initiative was launched in association with an FM channel in the backdrop of several suicide bids along the Blue Line in the last three months.

It will be played through the public address systems at stations on the Blue Line. The message was recorded in collaboration with Kolkata Metro, as a male voice in Bengali implored people to spare a thought, even as soft background instrumental music was being played to soothe the nerves.

The message further pointed out that life is beautiful, having great possibility for every individual and ending it won't serve any purpose, however distraught one is. "Crises can be tackled and overcome. Ending life can never be the solution," it said. "If anyone is overwhelmed by any desire to end his life, think twice and consider that your life is important not only for you but also for others," the voice message noted.

The authorities also said Kolkata Metro regularly conducts anti-suicide camps at different platforms, and urged those overwhelmed by suicidal thoughts to visit the camps and interact with the counsellors.

A Metro Railway spokesperson said the voice note will be regularly played at different stations of the Blue Line to sensitise people, and also enable other commuters and metro personnel to prevent someone from taking any drastic step. As per available figures, there were three suicide bids in November last year, two in December, three in January and two in February.

'Retirement from work will never happen'

Mohan Bhagwat says RSS asked him to continue after turning 75

New Delhi, Agency: RSS chief Mohan Bhagwat on Sunday said the organisation had asked him to continue working despite completing 75 years of age, adding that he would step down whenever the Sangh directs him to do so.

Speaking during an interactive session at an event marking the Rashtriya Swayamsevak Sangh's centenary, Bhagwat said there is no election for the post of RSS chief and appointments are made by regional and divisional heads.

"There is no election to the post of RSS chief. Regional and divisional heads appoint the chief. Generally, it is said that after turning 75, one should work without holding any post," Bhagwat said. He added that after informing the organisation about turning 75, he was asked to continue. "I have completed 75 years and informed the RSS, but the organisation asked me to continue working. Whenever the RSS asks me to step down, I will do so, but retirement from work will never happen," he said.

Bhagwat said the RSS does not follow community-based representation and that volunteers rise through the ranks based on their work. He asserted that the RSS chief will always be a Hindu, irrespective of caste and the post goes to the best available candidate. "If I were to choose a chief, I would go by the 'best available candidate' criterion," he said, adding that belonging to the Scheduled Caste or Scheduled Tribe communities is not a disqualification, just as being a Brahmin is not a qualification.

'Working to spread hatred against Muslims'

Owaisi slams Assam CM's 'point-blank shot' video

New Delhi, Agency: All India Majlis-e-Ittehadul Muslimeen (AIMIM) chief Asaduddin Owaisi on Sunday launched a broadside against Assam chief minister Himanta Biswa Sarma over a video posted by the BJP showing Sarma taking a "point-blank shot" at two individuals identified as minorities.

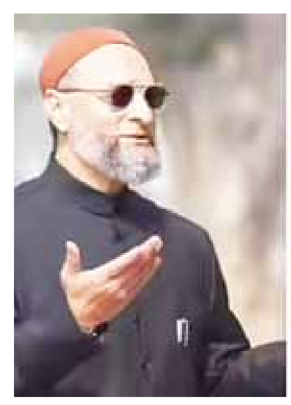

During a rally at Telangana's Zaheerabad, Owaisi accused the Assam chief minister of spreading hate against the Muslim community and added that the AIMIM would soon lodge a police complaint over the video.

"If you think that communalism has ended, remember, no matter who comes to power, the poison of communalism persists. And the remedy, the antidote for the poison of communalism, is that you make the representatives of the Majlis successful. You see that in the country, the chief minister of Assam makes a video where he has a gun in his hand. And he fires a bullet. The bullet hits a person wearing a beard and a cap," Owaisi said.

"Tell me, he is the chief minister of Assam from the BJP. He posts a video from the BJP's social media. Majlis-e-Ittehadul Muslimeen strongly condemns that video. And Majlis-e-Ittehadul Muslimeen, God willing, will also file a complaint with the police against it, so that a case can be registered against the chief minister of Assam. They are working to spread religious hatred against Muslims," he added.

Also read | 'I want to give you Rs 2 in alms': Owaisi hits out at Himanta Sarma over 'trouble Miya Muslims' remark This comes after the BJP Assam unit posted a video on X showing Sarma purportedly aiming a rifle at two people, one wearing a skull cap and another with a beard. The video was deleted after receiving backlash.

Earlier, Owaisi had slammed Sarma over his controversial remarks on "troubling Miya Muslims", calling them unconstitutional and divisive.

Owaisi mocked the chief minister, saying, "I want to give you Rs 2 as alms," and accused him of reducing constitutional governance to prejudice and intimidation. In a lengthy response, Owaisi said India's Constitution guarantees equality and non-discrimination, regardless of religion or community. "The Constitution says all are equal. No discrimination should be done, whether it is a chief minister or anyone else," he said. Owaisi alleged that Bengali-speaking Muslims in Assam were being scapegoated for issues ranging from migration to rising

In 'clear message', Malaysia, India slam cross-border terror

New Delhi, Agency: Malaysia joined India in strongly condemning cross-border terrorism, signalling a greater understanding of India's position on that issue, as PM Narendra Modi said after a bilateral meeting with counterpart Anwar Ibrahim that the message from both countries on terrorism was clear: no double standards, no compromise.

Modi's visit to Malaysia saw close to a dozen agreements and announcements for cooperation in areas spanning across defence and security, semiconductors, social security for Indian workers, UN peace keeping, disaster management and countering corruption.

While similar joint statements issued after summit meetings in 2015, 2017 and 2024 had condemned terrorism in all its forms and manifestations, on this occasion it also specifically mentioned cross-border terrorism, an expression that helps India flag Pakistan-sponsored terrorism. The latest leaders' joint statement also reaffirmed commitment to strengthen bilateral and multilateral cooperation in countering terrorism, including in the UN and FATF, radicalisation and violent extremism.

"In the field of security, we will strengthen cooperation in counter-terrorism, intelligence sharing, and maritime security. We will also further expand defence cooperation," said Modi, thanking Ibrahim for his strong condemnation of the Pahalgam attack and the Red Fort blast. The PM underlined the significance of growing friendship between the 2 countries in the current climate of global uncertainty, saying the leaders backed all peace efforts and agreed that reform of global institutions was essential to address today's challenges. While there was no official word from either side about whether the extradition sought by India of fugitive Zakir Naik was discussed in the meeting, official sources said India remains in touch with Malaysia to address legal issues related to its extradition request. Modi and Ibrahim also participated in a CEO Forum that, Modi said, opened new avenues for trade and investment. "Alongside AI and digital technologies, we will advance our partnership in semiconductors, health, and food security. Guided by strategic trust, we will chart a pathway towards economic transformation," said PM Modi. According to the joint statement, the leaders expressed satisfaction over the robust defence relationship between Malaysia and India, underscored by "the regular exchanges, visits, staff talks, exercises, training courses and defence industry collaboration". While there was no mention of it in the statement, India is considering sale of Dornier aircraft to Malaysia and also supply of naval platforms by Indian shipyards.

NEET-PG cut-off: Single-digit scores land PG seats in top med colleges

New Delhi, Agency: A steep cut in NEET-PG qualifying standards has led to postgraduate medical seats in govt colleges being filled at shockingly low scores - including in high-risk clinical specialties - triggering alarm across the medical fraternity, reports Anuja Jaiswal.

The impact was stark in third-round PG counselling, where candidates secured seats in govt medical colleges with scores ranging from single digits to double digits, spanning both clinical and non-clinical disciplines. Even premier institutions and core clinical branches saw seats being allotted to candidates with such scores. An MS orthopaedics seat at a govt institute in Rohtak was allotted to a candidate with just 4 marks out of 800, while obstetrics and gynaecology at a premier Delhi medical college went to a candidate who scored 44 marks. A general surgery seat was filled at 47 marks.

Removing cut-offs altogether risks patient safety, says doc This signals a serious breakdown in medical education and workforce planning," said a senior faculty member at a govt medical college. "Orthopaedics has traditionally been among the most demanding surgical specialties. Filling it at near-zero scores is a sign not of weaker students but a system under severe strain."

This happened following the sharp lowering of NEET-PG qualifying standards by Union health ministry for the 2025-26 academic session, with drastically reduced cut-offs across categories allowing candidates with extremely low - and even negative - scores to qualify.

The effect was visible across disciplines. Seats were filled at 10 marks in transfusion medicine, 11 marks in anatomy, and minus 8 marks in biochemistry, many under reserved and PwD categories. While the revised cut-offs ensured that seats did not remain vacant, doctors warn the policy risks trading competence for convenience.

Instead of foreign data, ICMR wants India's own evidence to treat lifestyle diseases

New Delhi, Agency: In a shift aimed at making medical treatment more relevant to Indian patients, the Indian Council of Medical Research has called for large, multi-centre clinical trials to generate India-specific evidence for treating lifestyle and chronic diseases, instead of relying largely on data from Western countries.

The move targets conditions such as diabetes, heart disease, cancer and other non-communicable diseases that affect millions across the country. Health experts say therapies proven effective in Western populations do not always produce the same results in Indian patients because of differences in genetics, diet, climate, disease patterns and access to care.

The need for such an approach is already evident in ongoing research. Dr Ambuj Rao, cardiologist at AIIMS Delhi, said India-specific clinical research is essential, pointing to a pan-India influenza vaccine trial in heart attack patients currently underway at AIIMS. He noted that evidence for such interventions cannot come from Western countries because India has a distinct flu season and different public health challenges.

Under the initiative, networks of at least five hospitals will jointly evaluate treatments, medical procedures, digital tools and lifestyle interventions in real-world Indian settings. The aim is to identify therapies that are not only clinically effective but also affordable and workable within government hospitals and public health programmes. Officials said the findings will directly inform national treatment guidelines, with each selected study eligible for funding of up to Rs 8 crore over four years.

Dr Ravinder Goswami from the endocrinology department at AIIMS Delhi said India's tropical climate, repeated cycles of stress and poverty, and distinct dietary patterns have led to unique metabolic and hormonal adaptations in Indians, including insulin resistance, higher cortisol levels, central obesity and lower muscle mass. He said rapid lifestyle changes and the growing consumption of refined foods have worsened the burden of diabetes, hypertension, polycystic disorders and other metabolic diseases, which require culturally acceptable and India-specific treatment strategies. The ICMR's call for well-planned studies, he added, offers a crucial opportunity to generate evidence for conditions unique to India, including certain metabolic disorders and cancers such as oral cancer.

Beyond improving treatment protocols, the programme is also expected to strengthen India's research capacity. Participating hospitals will be required to conduct trials independently, maintain standardised digital records and share data transparently, reducing dependence on pharmaceutical-driven global research. Public health experts say the initiative could have a direct impact on patients, as even small changes in treatment protocols, backed by Indian evidence, can improve outcomes and reduce out-of-pocket spending for families living with chronic disease. If successful, the effort could ensure that what doctors prescribe in India is guided by data generated from Indian patients, not assumptions